www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 संविधान, आरक्षण और डॉ अंबेडकर पर... 3 शहीद उधम सिंह काम्बोज के बलिदान को युगों-युगों... 4 दून इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित किया गया...

वर्ष: 9 | अंक: 63 | दिल्ली, शुक्रवार, 27 दिसम्बर 2024 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

1,000 नए रंगरूटों को दिया जाएगा विशेष कमांडो प्रशिक्षण

मणिपुर (एजेन्सी)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि इस सप्ताह असम में अपना प्रारंभिक प्रशिक्षण पूरा करने वाले 2,000 से अधिक पुलिस रंगरूटों में से लगभग आधे को विशेष कमांडो प्रशिक्षण दिया जाएगा। सिंह ने कहा कि सोमवार को 44 सप्ताह के लंबे कोर्स के बाद असम के गोलाघाट में लाचित बोरफुकन पुलिस अकादमी से स्नातक करने वालों में से 800 से 1,000 रंगरूटों को अस्थायी बैरक में तैनात किया जाएगा जहां वे विशेष कमांडो प्रशिक्षण से गुजरेंगे। कुल मिलाकर, 10वीं और 11वीं भारतीय रिजर्व बटालियन के लिए भर्ती किए गए 1,946 कर्मी, जो राज्य के राजमार्गों की सुरक्षा के लिए बनाए गए थे, असम में पुलिस अकादमी से पास हुए। सिंह इंफाल के वैरी पांगेई में मणिपुर पुलिस फायरिंग रेंज और अस्थायी बैरकों के निर्माण का निरीक्षण किया, ने कहा कि बैरकों का निर्माण वर्तमान स्थिति को देखते हुए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दो नई बटालियनों का मुख्यालय नुंगबा और सैवोम में होगा और उनके बटालियन मुख्यालय के निर्माण का काम भी शुरू हो गया है। हमें पुलिस का मनोबल बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार भीड़ हिंसा की घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए पुलिस कर्मियों के लिए आवश्यक हेलमेट सहित उपकरण खरीदने की प्रक्रिया में है।

बिहार में भजन पर छिड़ा विवाद

बिहार (एजेन्सी)। पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में पटना में आयोजित एक कार्यक्रम में उस समय बवाल हो गया जब लोक गायिका ने प्रतिष्ठित भजन 'रघुपति राघव राजा राम' की प्रस्तुति दी और "ईश्वर अल्लाह तेरो नाम" की पंक्तियाँ गाईं। जैसे ही लोक गायिका देवी ने पंक्तियां गाईं, दर्शकों के एक वर्ग ने विरोध किया और नारेबाजी शुरू कर दी। मामला बढ़ने पर गायिका देवी ने मंच से माफी मांगी। उन्हें माफी मांगने को भी कहा गया। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे भी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे स्थिति को संभालने के लिए आगे आए। वह लोक गायिक को मंच से उतारते भी दिखे। माफीनामे के बाद कार्यक्रम स्थल पर 'जय श्री राम' के नारे गूंज उठे। अश्विनी चौबे ने भी 'जय श्री राम' की हुंकार भरी। महात्मा गांधी से निकटता से जुड़ा यह भजन एकता का संदेश देता है। 'मैं अटल रहूंगा' शीर्षक वाला कार्यक्रम, उनकी जयंती के अवसर पर भाजपा के दिग्गज नेता के योगदान को याद करने के लिए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में चौबे के अलावा डॉ. सीपी ठाकुर, संजय पासवान और शाहनवाज हुसैन भी मौजूद थे।

गोवा में कलंगुट समुद्र तट के पास अरब सागर में पलटी नाव

गोवा (एजेन्सी)। पुलिस ने कहा कि बुधवार को उत्तरी गोवा के कैलंगुट समुद्र तट के पास अरब सागर में एक पर्यटक नाव के पलट जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और लगभग 20 अन्य को बचा लिया गया। पुलिस के मुताबिक घटना दोपहर करीब 1.30 बजे की है। गोवा एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है, विशेष रूप से क्रिसमस और नए साल के जश्न के दौरान, यह अपने जीवंत उत्सव, सुंदर समुद्र तटों और जीवंत वातावरण के साथ आगंतुकों को आकर्षित करता है। हादसे में मरने वाला शख्स 54 साल का शख्स था. पुलिस ने बताया कि बचाए गए सभी लोगों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि जिस नाव से वे यात्रा कर रहे थे, उसके पलट जाने से 54 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई और 20 अन्य को बचाया गया और इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का निधन, देशभर में शोक की लहर

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। 92 साल की उम्र में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का दिल्ली एम्स में निधन हो गया। उन्हें उम्र संबंधी दिक्कतों की वजह से गुरुवार रात 8:06 बजे एम्स में भर्ती कराया गया था। रात 9:51 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मनमोहन सिंह प्रखर अर्थशास्त्री थे। 1991 में देश में शुरू किए गए आर्थिक उदारीकरण के वे शिल्पकार रहे। 2004 से 2014 तक वे प्रधानमंत्री रहे। उनके निधन से देशभर में शोक की लहर है।

2009 से 2014 के बीच संसद में उनकी शायरी का मुकाबला तब से शुरू हुआ जब भाजपा की दिग्गज नेता सुषमा स्वराज विपक्ष की नेता बनीं। इन दोनों दिवंगत नेताओं की शायरी की जुगलबंदी ने कई बार संसद के माहौल को हास्य में बदला। आज जब पूर्व पीएम मनमोहन सिंह और भाजपा नेता सुषमा स्वराज हमारे बीच नहीं हैं तो उनके बीच 2011 में विकीलीक्स केबल को लेकर चला शेर ओ शायरी का दौर याद आ रहा है। दोनों नेताओं ने शायराना अंदाज में एक-दूसरे

पर हमला बोला। 2011 में जब संसद में विकीलीक्स केबल को लेकर हंगामा हुआ तो विपक्षी सांसदों ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर आरोप लगाए। इस दौरान विपक्ष की नेता सुषमा स्वराज ने प्रधानमंत्री पर शहाब जाफरी की पंक्तियों के साथ हमला बोला। उन्होंने कहा था कि 'तू इधर उधर की न बात कर, ये बता कि काफिला क्यों लुटा, हमें रहजनों से

'माना कि तेरी दीद के काबिल नहीं हूं मैं, तू मेरा शौक देख', जब संसद में पूर्व पीएम ने पढ़ा शेर

माना कि तेरी दीद के काबिल नहीं हूं मैं, तू मेरा शौक देख मेरा इंतजार देख।' पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह प्रखर अर्थशास्त्री तो थे ही, मगर शेर-ओ-शायरी में भी उनकी गहरी रुचि थी। अक्सर संसद के अंदर और बाहर वे राजनीतिक प्रतिद्वंदियों को शायरी के जरिये जवाब देते थे।

गिला नहीं, तेरी रहबरी का सवाल है।'

विपक्ष की नेता के इस हमले का जवाब तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह ने भी शायराना अंदाज में दिया। उन्होंने अल्लामा इकबाल का शेर पढ़ा। उन्होंने कहा कि ' माना कि तेरी दीद के काबिल नहीं हूं मैं, तू मेरा शौक देख मेरा इंतजार देख।' इस शेर को सुनकर सुषमा स्वराज के चेहरे पर मुस्कान तैर गई और सदन में ठहाके गूंजने लगे।

इसके बाद 2013 में जब राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस के दौरान भी दोनों नेताओं ने एक-दूसरे पर शायराना अंदाज में हमला किया। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने मिर्जा गालिब का शेर पढ़कर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने पढ़ा था कि 'हमको उनसे है वफा की उम्मीद, जो नहीं जानते वफा क्या है'।

इसके जवाब में विपक्ष की नेता सुषमा स्वराज ने कहा था कि शायरी का एक अदब होता है कि शेर का कभी उधार नहीं रखा जाता, इसलिए मैं प्रधानमंत्री का यह उधार चुकता करना चाहती हूं। एक नहीं दो शेर पढ़कर। इसके बाद सुषमा जी ने शेर पढ़ा कि 'कुछ तो मजबूरियां रही होंगी, यूं ही कोई बेवफा नहीं होता'। इसके बाद उन्होंने दूसरा कलाम यूं पढ़ा कि 'तुम्हें वफा याद नहीं, हमें जफा याद नहीं, जिंदगी और मौत के दो ही तो तराने हैं, एक तुम्हें याद नहीं एक हमें याद नहीं'।

खतरे में है गांधी की विरासतः सोनिया गांधी

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) प्रमुख सोनिया गांधी ने गुरुवार को नई दिल्ली में सत्ता में बैठे लोगों पर महात्मा गांधी की विरासत को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनकी विरासत को दिल्ली में सत्ता में बैठे लोगों और उन्हें पोषित करने वाली विचारधाराओं और संस्थानों से खतरा है। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में पढ़े गए अपने संदेश में, सोनिया गांधी ने भाजपा और आरएसएस पर जमकर हमला बोला और उन ताकतों से लड़ने का आह्वान किया, जिनके बारे में उन्होंने दावा किया कि उन्होंने जहरीला माहौल बनाया, जिसके कारण महात्मा गांधी की हत्या हुई।

सोनिया गांधी ने कहा कि यह हमारे देश के इतिहास में एक परिवर्तनकारी मील का पत्थर था। आज, हम महात्मा

गांधी की विरासत को संरक्षित, संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए खुद को फिर से समर्पित करते हैं। वह हमारी प्रेरणा के मूल स्त्रोत रहे हैं और रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह वह ही थे जिन्होंने उस पीढ़ी के हमारे सभी उल्लेखनीय नेताओं को तैयार किया और उनका मार्गदर्शन किया। उनकी विरासत को नई दिल्ली में सत्ता में बैठे लोगों और उन्हें पोषित करने वाली विचारधाराओं और संस्थानों से खतरा है।

गांधी ने कहा कि इन संगठनों ने कभी भी हमारी आजादी के लिए लड़ाई नहीं लड़ी। उन्होंने महात्मा गांधी का कटु विरोध किया। उन्होंने एक विषाक्त वातावरण बनाया जिसके कारण उनकी हत्या हुई। वे उसके हत्यारों का महिमामंडन करते हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि देश भर में विभिन्न स्थानों पर गांधीवादी संस्थानों पर हमले हो रहे हैं और कहा कि यह उचित है कि इस बैठक को 'नव सत्याग्रह बैठक' कहा जाए। उन्होंने कहा कि अब यह हमारा पवित्र कर्तव्य है कि हम इन ताकतों का पूरी ताकत से और अडिग दृढ़ संकल्प के साथ मुकाबला करने के अपने संकल्प को नवीनीकृत करें।

महाकुंभ की सुरक्षा में संगम के भीतर मौजूद रहेगा अंडर वॉटर ड्रोन

लखनऊ (एजेन्सी)। महाकुंभ का आगज होने में अब कुछ दिनों का समय बचा है। योगी सरकार श्रद्धालुओं को हर तरह की सुविधा देने के लिये तो वचनबद्ध नजर आ ही रहा है, इसके अलावा उसके सामाने आगंतुकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की भी बढ़ी चुनौती है। इसके लिये चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा के अचूक इंतजाम किये गये हैं नभ और थल के बाद अब जल के भीतर से भी कुंभ स्थल पर अशांति फैलाने की कोशिश करने वालों की निगाहबानी की जायेगी। सनातन धर्म का सबसे बड़ा आयोजन बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार हर आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार बताई जा रही है। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम में हर परिस्थिति में 45 करोड़ लोगों के संगम स्नान का पूरा सुरक्षित प्लान तैयार करने के तहत महाकुंभ में पहली बार श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए अंडर वॉटर ड्रोन तैनात किया जा रहा है।

किसानों ने 30 दिसंबर को पंजाब बंद का किया ऐलान

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। किसान मजदूर संघर्ष समिति के एक किसान नेता ने कहा कि 30 दिसंबर को पंजाब में राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया गया है। मीडिया से बात करते हुए सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि बंद को राज्य भर में कई यूनियनों और समूहों से समर्थन मिला है। उन्होंने बताया कि बंद सुबह सात बजे से शाम चार बजे तक प्रभावी रहेगा। आगे बोलते हुए, किसान नेता ने कहा कि पंजाब में सरकारी और निजी कार्यालय बंद रहेंगे, और रेल आंदोलन और सड़क यातायात में भी व्यवधान होगा। उन्होंने कहा कि आपातकालीन सेवाएं चालू रहेंगी। पंडेर ने कहा कि व्यापारियों, ट्रांसपोर्टरों, कर्मचारी संघों, टोल प्लाजा श्रमिकों, श्रमिकों, पूर्व सैनिकों, सरपंचों और शिक्षक संघों, सामाजिक और अन्य निकायों और कुछ अन्य वर्गों ने बंद को अपना समर्थन दिया है। साथ ही आम लोग भी इसका समर्थन कर रहे हैं।

पंढेर ने पुष्टि की कि ये कार्रवाइयां उनके चल रहे विरोध का हिस्सा हैं और उनका उद्देश्य उनकी मांगों को उठाना है। किसान नेता ने कहा कि यह बंद केंद्र को किसानों की मांगों को स्वीकार करने के लिए मजबूर करेगा, उन्होंने किसानों की मांगों को स्वीकार करने में विफल रहने के लिए केंद्र

सरकार की आलोचना की। 'पंजाब बंद' का आह्वान करने का निर्णय पिछले सप्ताह संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा द्वारा लिया गया था। बंद की सफलता सुनिश्चित करने के लिए एसकेएम (गैर-राजनीतिक) और केएमएम ने गुरुवार को खनौरी विरोध स्थल पर ट्रांसपोर्टरों, कर्मचारियों, व्यापारियों और अन्य लोगों की एक बैठक बुलाई। फसलों के लिए एमएसपी पर कानूनी गारंटी के अलावा, किसान कर्ज माफी, किसानों और खेतिहर मजदूरों के लिए पेंशन, बिजली दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं, पुलिस मामलों को वापस लेने और 2021 लखीमपुर खीरी हिंसा के पीड़ितों के लिए "न्याय" की मांग कर रहे हैं।

सीएम नायब सिंह सैनी ने वेद प्रचार एवं वेद भाष्य ग्रंथ वितरण कार्यक्रम का किया शुभारंभ

विश्व में मानवता का प्रचार करने में हमारे वेद प्रमुख माध्यमः सीएम

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वेद वह ज्ञान हैं, जिससे भारत विश्व गुरु बना। आज भी जब हम भारत को पुनः विश्व गुरु बनाने की बात करते हैं, तो वेदों के ज्ञान का प्रचार-प्रसार बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा वह पावन धरा है, जहां मां सरस्वती के तटों पर वेदों की ऋचाएं लिखी गई। ऐसे में गुरु द्रोण की धरती गुरुग्राम से वेद प्रचार एवं वेद भाष्य ग्रंथ वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ होना सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत के विजन का वैदिक ज्ञान एक महत्वपूर्ण आधार बनेगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वेदों पर अनुसंधान करने वाले विद्वानों ने माना है कि वेद हमारे धर्म, विज्ञान, कला, संगीत, चिकित्सा और दर्शन के मूल स्त्रोत हैं। वेदों का अध्ययन केवल धार्मिक दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी बहुत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने संतों के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि वेद वह परम पथ है, जिस पर चल कर सभी सुख-शांति प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब इन प्राचीन ग्रंथों में छिपे ज्ञान के भंडार को आमजन और विशेष रूप से हमारी युवा पीढ़ी पढ़ व समझ सकेगी। यह प्रयास हमें अपनी जड़ों से जुड़ने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि हम सभी के लिए यह गर्व और गौरव की बात है कि यह महान कार्य भारतीय सभ्यता का पालना रही वैदिक धरा हरियाणा में सम्पन्न हुआ है। उन्होंने विश्वास जताया कि वेदों को हिन्दी में पाकर हरियाणा के लोग विशेष रूप से उत्साहित होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व में मानवता का प्रचार करने में हमारे वेद प्रमुख माध्यम है। वेद हमें 'मनुःभव' का सन्देश देते हैं जिसका अर्थ है कि मनुष्य बनो और यह तभी संभव है। जब वेद

प्रधानमंत्री के विकसित भारत के विजन का महत्वपूर्ण आधार बनेगा वैदिक ज्ञानः सैनी

हमारे जीवन का अंग बन जाएंगे। संसार के सभी मतों के लोग अपने-अपने मत का प्रचार करते हैं। परंतु यह हमारे वेद ही हैं जो हमें एक सच्चा इंसान बनने की शिक्षा देते हैं। मुख्यमंत्री ने वेदों के संदर्भ में प्रधानमंत्री के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये ज्ञान और विज्ञान का भण्डार हैं, जो आज भी मानवता का मार्गदर्शन करते हैं। ये हमें समरसता, समानता और प्रकृति सम्मान के मूल्य सिखाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे वेदों में विज्ञान की बात भी है जो कि देश की सबसे बड़ी जरूरत है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण व युवाओं को नशे की कुरीतियों से दूर रखने के लिए सामूहिक सहयोग का आह्वान भी किया।

इस अवसर पर विधायक बिमला चौधरी, तेजपाल तंवर, मुकेश शर्मा सहित अन्य गणमान्य भी उपस्थित रहे।

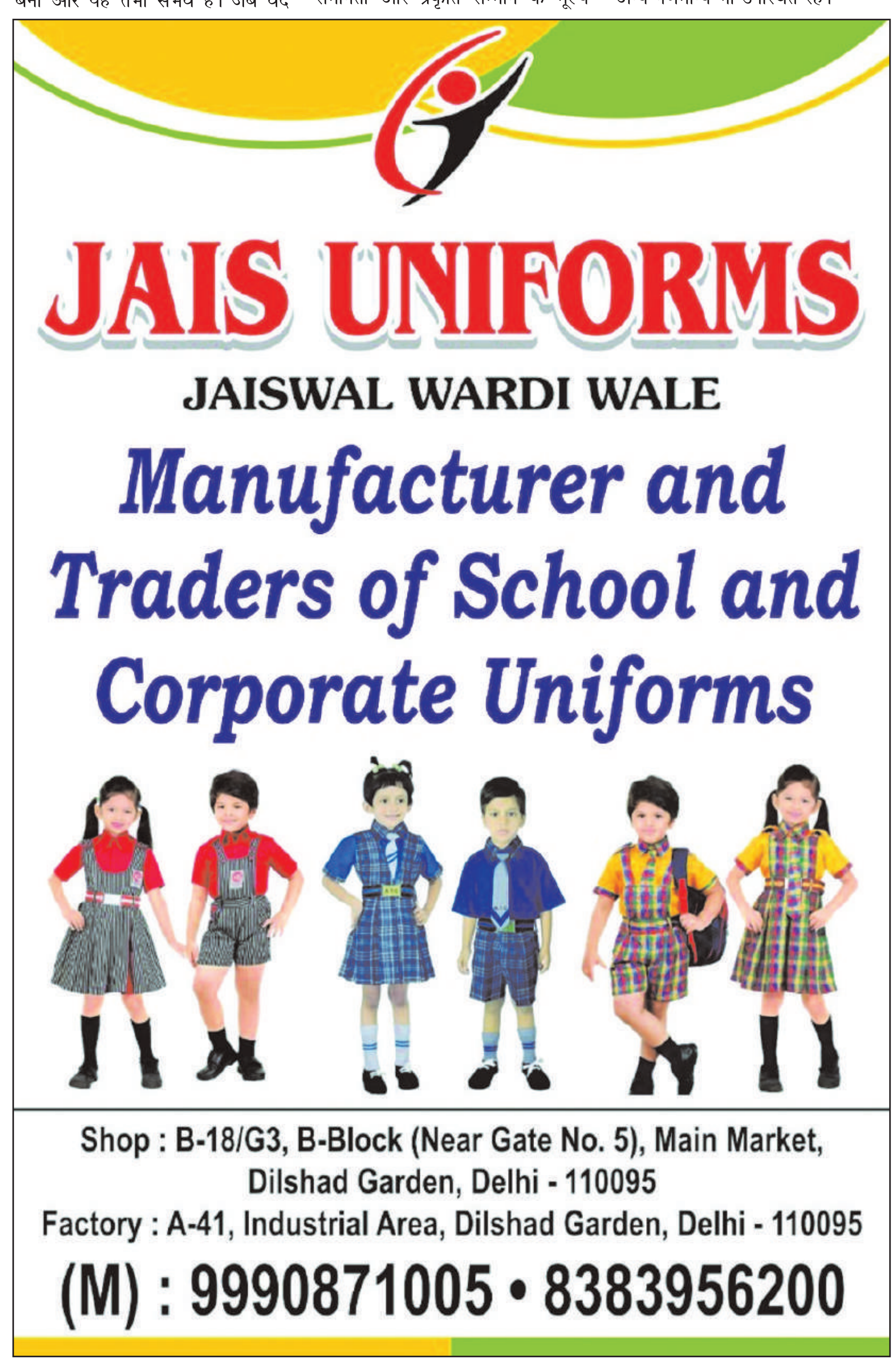

हरियाणा सरकार का 2025 के अवकाश की सूची जारी

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने वर्ष 2025 के दौरान अपने कार्यालयों के सार्वजनिक और प्रतिबंधित अवकाशों की सूची अधिसूचित की है। सरकार ने लिखित परक्राम्य अधिनियम 1881 की धारा-25 के अन्तर्गत (हरियाणा में न्यायिक अदालतों को छोडकर) राज्य में सार्वजनिक अवकाश के रूप में मनाए जाने वाले अवकाश भी अधिसूचित किए हैं। इसके अलावा, राज्य सरकार द्वारा कुछ विशेष दिवस भी अधिसूचित किए गये हैं। हालाँकि, इन्हें सार्वजनिक अवकाश के रूप में नामित नहीं किया जाएगा।

एक सरकारी प्रवक्ता ने यहां यह जानकारी देते हुए बताया कि मानव संसाधन विभाग द्वारा अधिसूचना जारी की है। उन्होंने बताया कि अधिसूचना अनुसार सभी शनिवारों व रविवारों को सरकारी कार्यालयों में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। इसके अतिरिक्त, विभिन्न प्रतिष्ठित विभूतियों के जन्मदिवसों, पुण्य-तिथियों व त्योहारों को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है।

इनमें 06 जनवरी को श्री गुरु गोबिंद सिंह जयंती, 12 फरवरी को गुरु रविदास जंयती, 26 फरवरी को महाशिवरात्रि, 14 मार्च को होली, 31 मार्च को ईद-उल-फितर, 10 अप्रैल को महावीर जंयती, 14 अप्रैल डॉ. बी आर अंबेडकर जयंती, 29 अप्रैल को परशुराम जयंती, 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया, 29 मई को महाराणा प्रताप जयंती, 11 जून को संत कबीर जयंती, 31 जुलाई को शहीद उधम सिंह बलिदान दिवस, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस, 22 सितंबर को महाराजा अग्रसेन जयंती, 23 सितंबर को शहीदी दिवस/ हरियाणा वार हिरोज बलिदान दिवस, 2 अक्तूबर को महात्मा गांधी जयंती/दशहरा, 07 अक्तूबर को महर्षि बाल्मिकी जयंती/महाराजा अजमीढ़ जयंती, 20 अक्तूबर को दिवाली, 22 अक्तूबर को विश्वकर्मा दिवस, 05 नवंबर को श्री गुरू नानक देव जयंती तथा 25 दिसंबर को क्रिसमस शामिल है।

इसके अलावा, शनिवार व रविवार के पड़ने वाले त्योहारों को सार्वजनिक अवकाश की सूची में शामिल नहीं किया गया। इनमें 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस, 02 फरवरी को बंसत पंचमी/सर छोटु राम जयंती, 23 मार्च को शहीदी दिवस/भगत सिंह राजगुरू और सुखदेव शहीदी दिवस, 06 अप्रैल को रामनवमी, 13 अप्रैल को वैशाखी/छठ पूजा, 07 जून को ईद-उल-जुहा (बकरीद), 09 अगस्त को रक्षाबंधन, 16 अगस्त को जनमाष्टमी तथा 01 नवंबर को हरियाणा दिवस शामिल है।

इसके अतिरिक्त, आउटसोर्सिस सहित सभी कर्मचारियों को कोई तीन वैकल्पिक अवकाश लेने की अनुमति होगी। इनमें 23 फरवरी को महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती (राज्य स्तरीय समारोह के साथ), 18 अप्रैल को गुड फ्राईडे, 12 मई को बुध पूर्णिमा, 24 मई को महर्षि कश्यप जयंती, 30 मई को श्री गुरु अर्जुन देव शहीदी दिवस, 06 जुलाई को मुईरम, 27 जुलाई को हरियाली तीज, 05 सितंबर को मिलाद-उन-नबी या ईद-ई-मिलाद (प्रोफेट मोहम्मद जयंती), 10 अक्तूबर को करवाचौथ, 22 अक्तूबर को गौवर्धन पूजा, 28 अक्तूबर को छठ पूजा, 25 नवंबर को गुरू तेगबहादुर शहीदी दिवस, 24 दिसंबर को गुरु ब्रह्मानंद जयंती और 26 दिसंबर को शहीद उधम सिंह जयंती शामिल है।

उन्होंने बताया कि सरकार ने लिखत परक्राम्य अधिनियम 1881 की धारा-25 के अन्तर्गत (हरियाणा में न्यायिक अदालतों को छोडक?) राज्य में सार्वजनिक अवकाश के रूप में मनाए जाने वाले अवकाश भी अधिसूचित किए हैं। सभी रविवार के साथ 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस, 12 फरवरी को गुरु रविदास जयंती, 26 फरवरी को महाशिवरात्रि, 14 मार्च को होली, 31 मार्च को ईद-उल-फितर, 01 अप्रैल को बैंक खातों की वार्षिक क्लोजिंग की छुटी, 10 अप्रैल को महावीर जयंती, 14 अप्रैल को डॉ. बी. आर. अंबेडकर जयंती, 07 जून को ईद-उल-जुहा (बकरीद), 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस, 16 अगस्त को रक्षाबंधन, 2 अक्तूबर को महात्मा गांधी जयंती/दशहरा, 07 अक्तूबर को महर्षि बाल्मिकी जयंती, 20 अक्तूबर को दिवाली, 05 नवंबर को श्री गुरु नानक देव जयंती तथा 25 दिसंबर को क्रिसमिस डे शामिल है।

राज्य सरकार द्वारा 2025 के दौरान जो विशेष दिवस के रूप में मनाने के लिए विशेष दिवस भी अधिसूचित किए गए लेकिन इन्हें सार्वजनिक अवकाश के रूप में नामित नहीं किया जाएगा। वर्ष 2025 में विशेष दिनों में 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती, 12 मार्च को संत लड्डू नाथ जी जयंती, 15 मार्च को हसन खां मेवाती शहीदी दिवस, 11 अप्रैल को महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती, 27 अप्रैल को संत धन्ना भगत जयंती, 29 अप्रैल को श्री गुरु तेग बहादुर जी जयंती, 23 मई को श्री गुरु गौरक्ष नाथ स्मृति दिवस, 31 मई को मातेश्वरी देवी अहिल्याबाई होल्कर जयंती, 09 जून को वीर बंदा बैरागी बलिदान दिवस, 04 जुलाई को भाई लक्खी शाह वनजांरा जयंती, 07 जुलाई को भाई मक्खन शाह लुभाना जयंती, 15 जुलाई को कवि बाजे भगत जयंती, 27 जुलाई को महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती, 26 अगस्त को श्री गुरु जम्भेश्वर जी जयंती, 17 सितंबर को भगवान विश्वकर्मा जयंती, 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती, 12 नवंबर को संत नामदेव जयंती, 22 नवंबर को वीरांगना झलकारी बाई जयंती, 04 दिसंबर को संत सैन भगत महाराज जयंती और 20 दिसंबर को महाराजा शूरसैनी जयंती शामिल हैं।

सम्पादकीय

चुनावी घोषणा...

दिल्ली चुनाव को अभी एक महीने से ज्यादा का समय बाकी है। उससे पहले दिल्ली की आम आदमी पार्टी ने महिला सम्मान योजना को मंजूरी दे दी। इस योजना के तहत महिलाओं के खाते में हर महीने 1000 रुपये आएंगे। आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चुनाव के बाद इसको बढ़ाकर 2100 रुपए करेंगे। चुनाव जीतने के लिए मुफ्त की रेवड़ी बांटने वाली आप अकेली पार्टी नहीं है। जब भी चुनाव नजदीक आते हैं, राजनीतिक दलों में खैरात बांटने की होड़ लग जाती है। इसका एकमात्र मकसद चुनाव जीतना है। इसके नुकसान-फायदों की राजनीतिक दलों को परवाह नहीं हैं। यह अलग बात है कि चाकू खरबूजे पर गिरे या खरबूजा चाकू पर, कटना तो खरबूजे को ही है। मसलन फ्री का माल लेने वाले को भी आखिरकार इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। किसी न किसी रूप में टैक्स का बोझ उन पर भी पड़ता है। फ्री की योजनाओं का फायदा उठाने वाले भी इससे बढ़ने वाली महंगाई की मार से बच नहीं सकते। इससे पहले राजस्थान में विधानसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वोटरों को फ्री में स्मार्टफोन और तीन साल के लिए फ्री इंटरनेट का वायदा किया था। गहलोत ने राज्य के हर परिवार को हर महीने 100 यूनिट तक फ्री बिजली फ्री देने का ऐलान किया था। मध्य प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कांग्रेस की सरकार बनने पर हर परिवार को 100 यूनिट तक फ्री बिजली देने का वादा किया। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली बहना योजना के तहत सवा करोड़ गरीब महिलाओं के खाते में एक हजार रुपये जमा कराए। कांग्रेस ने वादा किया था कि उसकी सरकार आई तो हजार नहीं बल्कि 1,500 रुपये दिए जाएंगे। शिवराज ने युवाओं को लुभाने के लिए 12वीं कक्षा के कुल 9000 टॉपर्स को एक-एक स्कूटी देने का भी ऐलान किया था। चुनावी रेवड़ी बांटना का कल्चर शुरू से ही विवादों से घिरा रहा है। सुप्रीम कोर्ट, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, आर्थिक विशेषज्ञ, चुनाव आयोग और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक इस पर चिंता जता चुके हैं। कोई भी राजनीतिक दल व्यापक देशहित से जुड़े ऐसे मुद्दों का समाधान तलाशना तो दूर बल्कि चर्चा तक करना नहीं चाहता। सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त राशन और अन्य मुफ्त योजनाओं पर गंभीर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि आखिर लोगों को "फ्री की रेवड़ी" कब तक बांटी जाएगी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान मुफ्त राशन देना समय की जरूरत थी, लेकिन अब रोजगार और आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित करने का समय आ गया है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि देश के 81 करोड़ लोगों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत मुफ्त या सब्सिडी वाला राशन दिया जा रहा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने हैरानी जताई और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता व अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा, "तो मतलब सिर्फ टैक्सपेयर्स ही ऐसे लोग हैं जिन्हें मुफ्त राशन नहीं मिल रहा है। यह स्थिति गंभीर विचार का विषय है।" वर्ष 2022 में श्रीलंका का आर्थिक संकट सामने आया तो इसने दुनियाभर की सरकारों को चेता दिया। सर्वदलीय बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि श्रीलंका से सबक लेते हुए हमें मुफ्त के कल्चर से बचना चाहिए। जयशंकर ने कहा कि श्रीलंका जैसी स्थिति भारत में नहीं हो सकती, लेकिन वहां से जो सबक मिला है वह बहुत मजबूत है। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक रैली में रेवड़ी कल्चर पर सवाल उठाए थे। पीएम मोदी ने कहा था कि आजकल हमारे देश में मुफ्त की रेवड़ी बांटकर वोट बटोरने का कल्चर लाने की भरसक कोशिश हो रही है। ये रेवड़ी कल्चर देश के विकास के लिए बहुत घातक है। रेवड़ी कल्चर वालों को लगता है कि जनता जनार्दन को मुफ्त की रेवड़ी बांटकर उन्हें खरीद लेंगे। मोदी ने कहा था कि हमें मिलकर रेवड़ी कल्चर को देश की राजनीति से हटाना है। भारत में ऐसी लुभावनी पर आर्थिक तौर पर घातक चुनावी वायदों की शुरुआत तमिलनाडु से मानी जाती है। वर्ष 2006 में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव में डीएमके ने सरकार बनने पर सभी परिवारों को फ्री कलर टीवी देने का वादा किया। डीएमके के इस चुनावी वादे को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। हालांकि, डीएमके जीत गई। वादा पूरा करने के लिए 750 करोड़ रुपये का बजट लगाया गया। मामला सुप्रीम कोर्ट में चल ही रहा था कि 2011 के विधानसभा चुनाव में विपक्षी अन्नाद्रमुक ने टीवी के जवाब में मिक्सर ग्राइंडर, इलेक्ट्रिक फैन, लैपटॉप, कम्प्यूटर, सोने की थाली आदि बांटने का वादा कर दिया। शादी होने पर महिलाओं को 50 हजार रुपये और राशन कार्ड धारकों को 20 किलो चावल देने का वादा भी किया।

संविधान, आरक्षण और डॉ अंबेडकर पर कांग्रेस की विकृत राजनीति हो रही बेनकाब

कांग्रेस पार्टी आज नीली टी शर्ट व नीली साड़ी पहनकर इतराती हुई घूम रही है और उसे लग रहा है कि उसे वह मुद्दा मिल गया है जिससे उसकी वापसी की राह आसान हो जायेगी लेकिन कांग्रेस बहुत बड़े भ्रम में है। सभी जानते हैं यह वहीं कांग्रेस पार्टी है जिसने कभी भी डॉ. आंबेडकर का सम्मान नहीं किया और न ही संविधान का कभी मान रखा। आज कांग्रेस नीले कपड़े पहनकर दलित समाज को छलने के लिए निकल पड़ी है

-मृत्युंजय दीक्षित

संसद का शीतकालीन सत्र हंगामे के साथ समाप्त हो चुका है। अपनी आदत के अनुसार विपक्ष विरोध के नाम पर सदन से भी सियासी चिंगारी निकालने का प्रयास कर रहा है। संसद के शीतकालीन सत्र में संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर संविधान पर चर्चा का आयोजन किया गया था जिसमें सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं ने संविधान पर अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्यसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में संविधान, आरक्षण और डॉ. आंबेडकर पर कांग्रेस के विचारों को सप्रमाण सदन में रखा जिससे निरुत्तर हुई कांग्रेस ने राज्यसभा में गृहमंत्री अमित शाह के संबोधन से 12 सेकेंड का एक टुकड़ा उठाकर उसे बाबा साहेब का अपमान बताते हुए गृहमंत्री के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया। इस झूठे विमर्श को सच सिद्ध करने के प्रयास में पूरा विपक्ष कांग्रेस के नेतृत्व में एक बार फिर एकजुट हो रहा है। यद्यपि दिल्ली विधानसभा चुनावों में आप और कांग्रेस आमने सामने हैं किन्तु आप के नेता भी गृहमंत्री की कथित टिप्पणी का वीडियो बनाकर गली-गली में घुमा रहे हैं कि शायद इसका लाभ विधानसभा चुनाव में मिल जाए। गृहमंत्री के विरुद्ध उसी प्रकार का वातावरण बनाने का प्रयास किया जा रहा जैसा 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को आरक्षण विरोधी व संविधान विरोधी साबित करने के लिए किया गया था। अब हर दल व नेता डॉ. आंबेडकर को भगवान बनाकर अपनी डूबती हुई राजनीतिक नैया को पार लगाने का स्वप्न देखने लगा है। गृहमंत्री अमित शाह के भाषण के अगले दिन राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा दलितों के प्रति अपना प्रेम दिखाने के लिए संसद परिसर में नीली टी शर्ट और नीली साड़ी पहनकर नमूदार हुए। उप्र में समाजवादी पार्टी भी भला पीछे क्यों रहती उसने भी डॉ. आंबेडकर की तस्वीरों के साथ यूपी विधानसभा में जमकर हंगामा किया और सदन की कार्यवाही ठप करने का प्रयास किया।

गृहमंत्री के बयान के खिलाफ विपक्ष देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करने का प्रयास कर रहा है। इस पूरे घटनाक्रम में बसपा नेत्री मायावती ने भी आक्रामक तेवर अपनाए हैं किन्तु वह सधे हुए बयान देकर कांग्रेस, भाजपा और सपा तीनों ही दलों को नसीहत दे रही हैं। बसपा नेत्री मायावती कांग्रेस पर हमलावर हैं, उनका कहना है कि बाबा साहेब की उपेक्षा करने वाली और देशहित में उनके द्वारा किये गये संघर्ष को हमेशा आघात पहुंचाने वाली कांग्रेस पार्टी का बाबा साहेब के अपमान को लेकर उतावलापन विशुद्ध छलावा है। बहिन मायावती ने डॉ. आंबेडकर के प्रति प्रेम दर्शा रहे समाजवादियों की पोल भी खोलकर रख दी है, मायावती का मानना है कि आज सपाई बाबासाहेब के नाम पर पीडीए का पर्चा निकाल रहे हैं जबकि वास्तविकता यह है कि सपा ने कभी भी डॉ. आंबेडकर का सम्मान नहीं किया था। समाजवादियों ने वास्तव में बाबा साहब सहित बहुजन समाज में जन्मे सभी महान संतों, गुरुओं, महापुरुषों के प्रति द्वेष के तहत नए जिले, नई संस्थाओं व जनहित योजनाओं तक के नाम बदल डाले थे। सपा सरकार में तो डॉ. आंबेडकर का नाम तक सही नहीं लिखा जाता था।

कांग्रेस पार्टी आज नीली टी शर्ट व नीली साड़ी पहनकर इतराती हुई घूम रही है और उसे लग रहा है कि उसे वह मुद्दा मिल गया है जिससे उसकी वापसी की राह आसान हो जायेगी लेकिन कांग्रेस बहुत बड़े भ्रम में है। सभी जानते हैं यह वहीं कांग्रेस पार्टी है जिसने कभी भी डॉ. आंबेडकर का सम्मान नहीं किया और न ही संविधान का कभी मान रखा। आज कांग्रेस नीले कपड़े पहनकर दलित समाज को छलने के लिए निकल पड़ी है। अगर कांग्रेस पार्टी ने कभी भी डॉ. आंबेडकर का सम्मान किया होता तो आज उसकी यह दुर्गति न होती।

स्वतंत्रता संग्राम के समय से ही कांग्रेस और डॉ. आंबेडकर के मध्य गहरे मतभेद उत्पन्न हो गये थे। कांग्रेस के साथ बाबासाहेब का प्रथम विवाद 1930 में गोलमेज कांफ्रेस के समय हुआ था। आंबेडकर अनुसूचित जाति के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्र चाहते थे जबकि गांधी जी इसके विरोधी थे। गांधी जी ने आंबेडकर जी के खिलाफ आमरण अनशन तक किया था। 29 जनवरी 1932 को दूसरी गोलमेज सम्मेलन के बाद मुंबई में बाबा साहब ने कहा कि मुझे कांग्रेसी देशद्रोही कहते हैं, यानी आज जो बाबासाहब की फोटो लेकर राजनीति कर रहे हैं,उस समय उन्हें गद्दार कहते थे। संविधान सभा में आंबेडकर जी के चयन का रास्ता भी नेहरू जी ने ही रोका था। हिंदू कोड बिल और सरकार की दलित विरोधी मानसिकता के चलते आंबेडकर ने 1951 में नेहरू मंत्रिमंडल से इस्तीफा देते हुए लिखा, हृदयस्थल की सबसे अधिक जरूरत अनुसूचित जाति को है पर नेहरू का सारा ध्यान सिर्फ मुसलमानों पर है। ध्यान देने योग्य बात है कि आज भी कांग्रेस पार्टी पूरी तरह मुस्लिम परस्त है।

कांग्रेस स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी आंबेडकर जी का लगातार अपमान करती रही। बाबा साहब को 40 साल तक भारत रत्न के लिए इंतजार करना पड़ा जबकि कांग्रेस अपने ही परिवार को भारत रत्न देती रही। नई दिल्ली में गांधी नेहरू परिवार की पीढ़ियों के स्मारक बने हैं जबकि गांधी परिवार ने आंबेडकर जी का अंतिम संस्कार तक दिल्ली में नहीं होने दिया। कांग्रेस ने पग-पग पर डॉ. आंबेडकर के विचारों का धुर विरोध किया और आज राहुल गांधी नीली टी शर्ट पहनकर उनके अपमान पर घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। वस्तुतः कांग्रेस का आंबेडकर के प्रति प्रेम 2019 लोकसभा चुनाव में पराजय के बाद से ही उमड़ा है।

गृहमंत्री अमित शाह ने कांग्रेस व विरोधी दलों के सभी आरोपों को खारिज करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि वह सपने में भी डॉ. आंबेडकर का अपमान नहीं कर सकते। संसद में चर्चा के दौरान यह तो सिद्ध हो गया है कि कांग्रेस ने न केवल जीते जी बाबा साहेब का लगातार अपमान किया वरन उनकी मृत्यु के बाद भी उनका मजाक उड़ाने का प्रयास किया। जब तक कांग्रेस सत्ता में रही बाबा साहेब का एक भी स्मारक नहीं बन पाया जबकि जहां-जहां अन्य दलों की सरकारें आती गईं वहां-वहां उनका स्मारक बनता चला गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने बाबासाहेब के जीवन से संबंधित पंचतीर्थ विकसित किये। जिसमें मध्य प्रदेश में महू, लंदन में डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक, नागपुर में दीक्षा भूमि, दिल्ली में राष्ट्रीय स्मारक और महाराष्ट्र के मुंबई में चैत्य भूमि का विकास किया। 19 नवंबर 2015 को पीएम मोदी ने डॉ. आंबेडकर के सम्मान में 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाने की घोषणा की। आज जो लोग संविधान की किताब हाथ में लेकर घूम रहे हैं यही लोग संविधान दिवस का विरोध व बहिष्कार करते रहे हैं।

कांग्रेस के नेतृत्व में आज संपूर्ण विपक्ष केवल वोटबैंक की राजनीति के कारण ही सदन में डॉ. आंबेडकर के अपमान का मुद्दा उछाल रहा है, क्योंकि देश में 20 करोड़ 13 लाख 78 हजार 86 दलित हैं जो आबादी का 16.63 फीसदी है। दलितों की आबादी का ग्रामीण क्षेत्रों में 68.8 फीसदी और शहरी क्षेत्रों में 23.6 फीसदी है। इस आबादी को अपना वोट बैंक बनाने के लिए आतुर कांग्रेस अपने साथियों के साथ मिलकर रोज नए नए स्टंट कर रही है क्योंकिउसको लगता है कि अकेले मुस्लिम वोट बैंक से उसे सत्ता नहीं मिल सकती।

एकता के अभाव में किसी भी समाज या राष्ट्र का उत्थान संदिग्ध

वैश्वीकरण ने इसके बिल्कुल पास ही में एक अलग दुनिया भी बनाई, जिसमें कदम-कदम पर अमीरी की दास्तानें लिखी होती है। जाहिर है कि वैश्वीकरण के कारण होने वाले विकास के लाभों और भारों का वितरण दुनिया भर के मानव समुदायों के बीच असमान रूप से हुआ। इसका दुष्परिणाम यह हुआ कि दुनिया भर में मनुष्यों की एक बड़ी संख्या विकास के मामले में अन्य लोगों से काफी पीछे रह गई

-चेतनादित्य आलोक

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह जन्म, रिश्ते और रोजगार के अतिरिक्त भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक एवं अन्य कारणों से चाहे दुनिया के किसी भी कोने में, किसी भी देश का निवासी बनकर क्यों न रहता हो, उसका अपना एक समाज, अपनी एक अलग दुनिया होती है। इसी प्रकार, अलग-अलग जगहों पर रहते हुए मनुष्य की समस्याएं, दुविधाएं, आवश्यकताएं, आकांक्षाएं और उसके पास उपलब्ध सुविधाएं भले ही अलग-अलग प्रकार की हों, परंतु एक बात सभी मनुष्यों के जीवन पर लागू होती है और वह है मानव एकता तथा एकजुटता के साथ उसका आगे बढ़ना। दरअसल, मानव जाति की एकता की जरूरत दुनिया को आरंभिक काल से ही रही है। हालांकि, मनुष्य जाति के लिए अपेक्षित एकता और एकजुटता कभी कायम नहीं हो पाई, जबकि यह सच है कि एकता और एकजुटता के अभाव में किसी भी समाज या राष्ट्र का उत्थान संदिग्ध होता है। जाहिर है कि मानव जाति की एकता और एकजुटता के साथ उसके आगे बढ़ने की इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए अपने-अपने स्तर पर दुनिया के तमाम देशों को गंभीर प्रयास करने ही होंगे। हालांकि, यह उतना भी आसान कार्य नहीं है कि सारे देश एक दूसरे के निकट आ जाएं और दुनिया में एकता एवं एकजुटता कायम करने के लिए अपनी-अपनी नीतियों में बदलाव कर लें, लेकिन समय की मांग यही है कि गुटबाजियों को छोड़ और खेमेबंदियों को तोड़ कर हर हाल में दुनिया के सभी देश एक दूसरे के निकट आएं और साथ-साथ चलने के लिए संकल्पबद्ध हों। यह तभी संभव होगा, जब सभी छोटे-बड़े देश अपनी जिद्द, लिप्सा, अपने मोह, लालच और संकुचित सोच को परे रख कर विश्वहित एवं मानवहित में सोचेंगे। देखा जाए तो क्षुद्र विचारों और संकुचित सोच में सिमटकर दुनिया और मानवता ने अपना बहुत नाश कराया है। इसलिए अब जरूरी है कि एकता और एकजुटता को 21वीं सदी के लिए एक आधार और प्रोत्साहन के रूप में स्वीकार करते हुए आगे बढ़ा जाए। हालांकि यह सच है कि वैश्वीकरण ने दुनिया भर के लोगों को आगे बढ़ने और विकास करने के अनेक अवसर प्रदान किए हैं, लेकिन इस वैश्वीकरण ने दो दुनियाओं के निर्माण की पटकथा लिखी। इनमें एक दुनिया ऐसी बनी, जिसमें केवल गरीब लोग रहते हैं, जहां दुरूख, संकट, परेशानियां, समस्याएं, शोषण और उत्पीड़न का साम्राज्य खूब फलता-फूलता है।

वहीं, वैश्वीकरण ने इसके बिल्कुल पास ही में एक अलग दुनिया भी बनाई, जिसमें कदम-कदम पर अमीरी की दास्तानें लिखी होती है। जाहिर है कि वैश्वीकरण के कारण होने वाले विकास के लाभों और भारों का वितरण दुनिया भर के मानव समुदायों के बीच असमान रूप से हुआ। इसका दुष्परिणाम यह हुआ कि दुनिया भर में मनुष्यों की एक बड़ी संख्या विकास के मामले में अन्य लोगों से काफी पीछे रह गई। यह विडंबना नहीं तो और क्या है। बहरहाल, 21वीं सदी में मनुष्य की वास्तविक उन्नति और उत्थान को लेकर वैश्विक एकता और एकजुटता के लिए एक संयुक्त वैश्विक प्रयास करने की नितांत आवश्यकता है।

बता दें कि दुनिया में जहां कहीं भी जो लोग विकास की दौड़ में पीछे छूट गए हैं अथवा पीड़ित, शोषित, दुखी और परेशान हैं या कहा जाए कि व्यवस्था में जिन लोगों तक अब तक मदद सबसे कम या नहीं पहुंच पाई है, उन व्यक्तियों, समुदायों तक आज सहायता पहुंचाने की आवश्यकता है। वैसे, बेहतर तो यह होगा कि जिन्हें व्यवस्था से सबसे अधिक लाभ प्राप्त होता रहा है, वे ही उन तक सहयोग के अपने हाथ लेकर जाएं। जाहिर है कि यदि समर्थ लोग निर्धन और लाचार लोगों तक स्वयं अहयोग का हाथ लेकर जाएंगे तो इससे दोनों ही दुनियाओं के बीच आपसी प्रेम और सद्भाव तो बढ़ेगा ही, साथ ही, इससे साझी जिम्मेदारी की संस्कृति भी विकसित होगी और दुनिया में एकता और एकजुटता के कायम होने में आसानी भी होगी। देखा जाए तो एकता और एकजुटता के विराट महत्व को आत्मसात करते हुए हमारे पूर्वज ऋषि-मुनियों ने इसे बहुत महत्व दिया था। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में आरंभ से ही एकता और एकजुटता महान मानवीय गुण माने जाते रहे हैं। हालांकि, इसके लिए प्रमाण की जरूरत नहीं, फिर भी यदि दुनिया के इतिहास को उठाकर देखा जाए तो पता चलता है कि दुनिया में आज तक सभी महान कार्य मानव जाति की एकता एवं सहयोग से ही संभव हो पाए हैं। तात्पर्य यह कि महान एवं बड़े कार्यो को पूरा करने हेतु दुनिया में मानवीय एकता का होना परम आवश्यक है।

साथ ही, विभिन्न समस्याओं यथा-भुखमरी, निर्धनता, अशिक्षा, आतंकवाद, उग्रवाद, हिंसा, लूट, भ्रष्टाचार एवं अन्य तमाम समस्याओ का निराकरण भी एकल नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयासों से ही सफलतापूर्वक किया जा सकता है। इतना ही नहीं, विश्व भर में समावेशी विकास को अंजाम तक पहुंचाने, अनेकता में एकता के जीवन मूल्य को चरितार्थ करने, सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने एवं एकता के महत्व को प्राप्त करने हेतु भी अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मामले में भी एकता को महत्वपूर्ण मूल्य के रूप में परिभाषित किया जा चुका है। जाहिर है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवीय एकजुटता के आयोजन और प्रदर्शन से विविधता में एकता को बढ़ावा और इसकी उपयोगिता को सम्मान होगा। वैसे, देखा जाए तो एकजुटता का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना भी है कि न्याय के लिए परस्पर एक दूसरे की देखभाल और चिंता की जाए। मनुष्य के लिए आपस में एकजुटता प्रदर्शित करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि परस्पर एक दूसरे का सम्मान किया जाए और एक दूसरे की जरूरतों और परिस्थितियों से संबंधित बेहतर समझ पैदा की जाए।

गौरतलब है कि परस्पर एक दूसरे से जुड़ी हमारी यह विस्तृत दुनिया एकत्व के भाव के साथ एक-दूसरे को ऊपर उठाने एवं मनुष्य की व्यक्तिगत सफलता को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ पूरे मानव समाज की समृद्धि के लिए समग्र रूप से प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। तात्पर्य यह कि जब हम एक-दूसरे के लिए सहयोग का हाथ बढ़ाते हैं अथवा दुरूख-दर्द और लाचारी में एक-दूसरे का हाथ थामते हैं, तो ऐसा करके केवल एक-दूसरे के प्रति सहयोग का भाव ही नहीं प्रकट कर रहे होते, बल्कि एकता और एकजुटता को कायम करने के संकल्प की सिद्धि भी कर रहे होते हैं। इतना ही नहीं, एक-दूसरे के लिए सहयोग का हाथ बढ़ाकर या आवश्यकता पड़ने पर एक-दूसरे का हाथ थामकर हम एकत्व की पवित्र और विराट भावना को सम्मानित भी कर रहे होते हैं तथा मनुष्य जाति के लिए अधिक बेहतर और निष्पक्ष भविष्य की दिशा में प्रगति भी कर रहे होते हैं।

जयंती

नित्यानंद स्वामी (राजनीतिज्ञ)

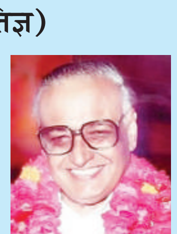

जन्म: 27 दिसम्बर 1927; मृत्यु: 12 दिसम्बर, 2012) उत्तराखंड के पहले मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वयोवृद्ध नेता थे। उनके पिता वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में तैनात थे। उनका विवाह चंद्रकांता से हुआ, दोनों की चार पुत्रियां हैं। दिवंगत स्वामी एक कुशल व्यक्तित्व के धनी थे। यही कारण रहा कि उन्हें 1950 में डीएवी कालेज के अध्यक्ष चुने गए। 50-60 के दशक में वह जनसंघ के सक्रिय कार्यकर्ता रहे और विभिन्न मजदूर यूनियन के अध्यक्ष भी रहे। उन्होंने वकालत को अपना पेशा बनाया। शुरूआत में वह कांग्रेस से जुड़े रहे और बाद में भाजपा से जुड़ गए।

पुण्यतिथि

सुनील कोठारी

जन्म-20 दिसंबर, 1933, गुजरात; मृत्यु-27 दिसंबर, 2020, दिल्ली) प्रसिद्ध

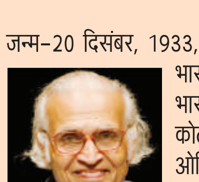

भारतीय नृत्य इतिहासकार, विद्वान और आलोचक थे। भारतीय नृत्य कलाओं की शिक्षा लेने से पहले सुनील कोठारी चार्टर्ड अकाउंटेंट थे। उन्होंने भरतनाट्यम, ओडिसी, छऊ, कथक समेत अन्य भारतीय नृत्य कलाओं पर बीस से भी ज्यादा किताबें लिखीं। उन्हें 'संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार' से भी नवाजा गया था। उन्हें गुजरात संगीत नाटक अकादमी ने 'गौरव पुरस्कार' से सम्मानित किया था। सुनील कोठारी ने उदय शंकर और रुक्मिणी देवी अरुंडेल की फोटो जीवनी पर भी काम किया था।

कल मिलेंगे

बेटा (फोन पर)-मां आज हम दो से तीन हो गए
मां-वाह बेटा, बधाई हो... लड़का हुआ है या लड़की?
बेटा-नहीं मां, आपकी बहू ने दूसरी शादी कर ली....
मां बेहोश!

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

भ्रष्टाचार में फंसे ताइवान के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रहे वेन-जे

(एजेन्सी)।

ताइवान। ताइवान के पूर्व राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और ताइवान पीपुल्स पार्टी के संस्थापक को वेन-जे को गुरुवार को भ्रष्टाचार के आरोप में दोषी ठहराया गया। उन पर द्वीप की राजधानी के मेयर रहने के दौरान रिश्वत लेने का आरोप लगाया जा रहा है। अभियोजकों के बयान के अनुसार, को, जिन्होंने ताइपे के पूर्व मेयर के रूप में भी काम किया था, ने अपने कार्यकाल के दौरान कथित तौर पर रियल एस्टेट विकास से संबंधित रिश्वत ली थी। को पर राजनीतिक चंदे को शर्मसार करने का भी आरोप है. यदि उसे सभी आरोपों में दोषी ठहराया जाता है, तो उसे 28.5 साल की संभावित जेल की सजा का सामना करना पड़ सकता है।

इससे पहले, को ने रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के आरोपों से इनकार किया था। उनकी पार्टी ने कहा कि ये आरोप राजनीतिक उत्पीड़न का मामला हैं। ताइपे की 2014 मेयर की दौड़ जीतने के लिए राजनीतिक परिदृश्य में प्रवेश किया। उन्होंने 2014 से 2022 तक दो कार्यकाल दिए। मामले का मूल ताइपे में कोर पैसिफिक सिटी समूह के स्वामित्व वाला एक विकास है। अभियोजकों का कहना है कि को ने रिश्वत के बदले में कंपनी को शहर निर्माण नियमों से बचने की अनुमति दी।

टीपीपी की केंद्रीय समिति के सदस्य लिन फू-नान ने कहा कि सत्ता के इस तरह के दुरुपयोग से सरकार एक राजनीतिक ठग बनकर रह गई है। हम राजनीति के काले हाथ वालों से आह्वान करते हैं कि वे न्यायपालिका तक न पहुंचें। को ने 2019 में दो-दलीय प्रणाली के विकल्प के रूप में टीपीपी की स्थापना की, और हमेशा की तरह राजनीति से अलग होने का वादा किया। वह इस वर्ष राष्ट्रपति पद के लिए दौड़े। तीसरे स्थान पर रहने के बावजूद, उन्होंने युवा मतदाताओं से अपनी अपील से ध्यान आकर्षित किया। ताइवान की राजनीति में ज्यादातर दो मुख्य राजनीतिक दलों, नेशनलिस्ट पार्टी (कुओमिंगटांग) और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी का वर्चस्व है।

हवाई द्वीप माउई में यूनाइटेड एयरलाइंस के व्हील वेल से निकला शव

(एजेन्सी)।

माउई। हवाई द्वीप माउई में विमान के उतरने के बाद यूनाइटेड एयरलाइंस के व्हील वेल में एक शव पाया गया। एयरलाइन की वेबसाइट के अनुसार, शिकागो ओ'हेयर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से यूनाइटेड फ्लाइट 202 जब मंगलवार दोपहर काहुलुई हवाई अड्डे पर उतरी तो विमान के लैंडिंग गियर वाले डिब्बे में से एक में शव की खोज की गई। पीड़ित के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी गई। व्हील वेल तक केवल विमान के बाहर से ही पहुंचा जा सकता था। इस समय, यह स्पष्ट नहीं है कि व्यक्ति पहिए तक कब और कैसे पहुंचा। यूनाइटेड ने कहा कि वह जांच पर अधिकारियों के साथ काम कर रहा है। संघीय उड्डयन प्रशासन ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। व्हील-हाउस और विमानों के कार्गो होल्ड में स्टोववेज को शून्य से 50 डिग्री और शून्य से 60 डिग्री सेल्सियस (शून्य से 58 और शून्य से 76 डिग्री फारेनहाइट) के बीच तापमान का सामना करना पड़ सकता है, साथ ही ऑक्सीजन की कमी भी हो सकती है। जबकि अधिकांश व्हील-वेल स्टोववेज के लिए मृत्यु दर अधिक है, कुछ लोग इस कठिन परीक्षा से बच गए हैं। पिछले साल पेरिस में एक अल्जीरियाई वाहक के विमान के अंडरकैरिज बे में एक व्यक्ति जीवित पाया गया था। जनवरी 2022 में अफ्रीका से एम्स्टर्डम के शिफोल हवाई अड्डे पर पहुंचे कार्गोलक्स मालवाहक विमान के सामने के पहिए वाले हिस्से में एक स्टोववे को जीवित पाया गया था।

एयरटेल में गड़बड़ से देशभर में मोबाइल, ब्रॉडबैंड यूजर्स प्रभावित

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। एयरटेल के ग्राहकों को बड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। एयरटेल का नेटवर्क डाउन हो गया है। नेटवर्क डाउन होने के कारण लोग काफी अधिक परेशान हो रहे है। वहीं इंटरनेट एक्सेस करने की कोशिश भी विफल हो रही है। एयरटेल यूजर्स को कनेक्टिविटी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के मुताबकिक 26 दिसंबर को सुबह 10.25 बजे आउटेज शुरू हुआ है। इस कारण मोबाइल डेटा और ब्रॉडबेंड सेवाएं दोनों प्रभावित हुई है। कई यूजर्स ने अपने अनुभव साझा करने के लिए एक्स पर इसके संबंध में पोस्ट शेयर किए है। इस दौरान इंटरनेट एक्सेस करने के साथ कॉल करने में भी समस्या हो रही है। कई यूजर्स ने स्थिति को पूरी तरह से सेवा ब्लैकआउट भी बताया है।

वेबसाइट स्टेटस ट्रैकिंग टूल, डाउनडिटेक्टर.कॉम के अनुसार, एयरटेल द्वारा पेश की जाने वाली मोबाइल और ब्रॉडबेंड सेवाएं यूजर्स उपयोग नहीं कर सके। डाउनडिटेक्टर के अनुसार, लगभग 46% उपयोगकर्ता पूर्ण ब्लैकआउट का सामना कर रहे हैं, 32% को सिग्नल नहीं मिल रहा है और 22% को मोबाइल कनेक्टिविटी से जुड़ी समस्याएँ हैं। जानकारी के मुताबिक आउटेज का कारण अभी भी अज्ञात है। एयरटेल ने व्यवधान के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। कई यूजर्स ने एयरटेल नेटवर्क समस्या पर अपनी निराशा व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया।

इसमें कॉल ड्रॉप, धीमी इंटरनेट स्पीड और पूरी तरह से कनेक्टिविटी गायब होने की रिपोर्ट शामिल है।

ठगी का शिकार हुए बॉलीवुड अभिनेता

(एजेन्सी)।

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर इस छुट्टियों के मौसम में अपने प्रशंसकों को एक महत्वपूर्ण चेतावनी दे रहे हैं, जिसमें उनके प्रशंसकों को निशाना बनाने वाले एक ऑनलाइन घोटाले के बारे में बताया गया है। अर्जुन ने अपने सोशल मीडिया पर प्रशंसकों को एक फर्जी अकाउंट के बारे में चेतावनी दी है, जो उनके मैनेजर के नाम से चल रहा है। यह अकाउंट लोगों तक पहुंच रहा था, उनसे जुड़ने के अवसर प्रदान कर रहा था, लेकिन सभी बुरे इरादों के साथ।

2024 में भारतीय क्रिकेटरों ने दिया सबसे अधिक टैक्स

(एजेन्सी)।

भारत में हर वर्ष कई अभिनेता, उद्योगपति और खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो सर्वाधिक टैक्स का भुगतान करते है। वर्ष 2023-24 के दौरान कई भारतीय क्रिकेटरों ने भी टैक्स का भुगतान किया है। इन क्रिकेटरों ने इस साल सबसे अधिक टैक्स का भुगतान किया है।

विराट कोहली ने वित्तीय वर्ष 2024 के लिए सबसे अधिक टैक्स क्रिकेटरों की सूची में दिया है। विराट कोहली सबसे अधिक टैक्स देने वाले भारतीय क्रिकेटर है। उन्होंने इस बार 66 करोड़ रुपये का टैक्स दिया है। उनकी ये आय मैच फीस, आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट, कई बड़े ब्रांड्स के विज्ञापन के जरिए पैसे कमाते है। बता दें कि विराट कोहली दुनिया के सबसे अधिक कमाई करने वाले खिलाड़ियों में शुमार है। विराट कोहली की अनुमानित संपत्ति 1000 करोड़ रुपये है। उनकी मार्केटिंग क्षमता और अटूट प्रदर्शन के कारण वो खेल और व्यवसाय के क्षेत्र में प्रमुख व्यक्ति बने है।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने 38 करोड़ रुपए टैक्स के तौर पर दिया है। इंटरनेशनल क्रिकेट से सन्यास लेने के बाद भी एमएस धोनी आईपीएल में खेलने वाले एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है। एमएस धोनी को रीबॉक और टीवीएस मोटर्स जैसे अनेकों विज्ञापन मिले हुए है। जानकारी के मुताबिक एमएस धोनी की अनुमानित संपत्ति 1200 करोड़ रुपये है। एमएस धोनी की संपत्ति का श्रेय उनके विविध व्यावसायिक उपक्रमो को दिया जाता है।

क्रिकेट से कई वर्षों पहले संन्यास लेने वाले सचिन तेंदुलकर 28 करोड़ रुपये टैक्स के तौर पर चुकाते है। वो भारतीय इकोनॉमी में महत्वपूर्ण योगदान देते है। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर के पास अब भी कोका-कोला और एडिडास जैसे विश्व प्रसिद्ध ब्रैंड्स के विज्ञापन है। उनकी कुल संपत्ति संभावित तौर पर 1000 करोड़ रुपये है। सौरव गांगुली ने करों में 23 करोड़ रुपये का महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान के रूप में उनकी आय मुख्य रूप से क्रिकेट प्रशासन और विज्ञापनों में उनकी भागीदारी से होती है। 300 करोड़ रुपये की अनुमानित कुल संपत्ति के साथ, गांगुली की व्यावसायिक सूझबूझ उनके विविध उपक्रमों में स्पष्ट है, जिसमें मीडिया में उपस्थिति और क्रिकेट कमेंट्री शामिल है।

हार्दिक पंड्या ने भारतीय क्रिकेट टीम के एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में अपनी वित्तीय जिम्मेदारी को दशार्ते हुए करों में 13 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। क्रिकेट से अपनी कमाई के अलावा, पंड्या को हाला प्ले और जिलेट जैसे प्रसिद्ध ब्रांडों के साथ आकर्षक विज्ञापन से भी लाभ होता है। लगभग 80 करोड़ रुपये की अनुमानित कुल संपत्ति के साथ, मैदान पर पंड्या की सफलता और उनकी मजबूत मार्केटिंग अपील ने क्रिकेट और व्यापार जगत दोनों में एक उभरते सितारे के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत किया है। ऋषभ पंत का कर योगदान 10 करोड़ रुपये था। प्रतिभाशाली युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ने आईपीएल से अच्छी कमाई और ढवटअ जैसे प्रसिद्ध ब्रांडों के आकर्षक विज्ञापनों से तेजी से रैंक हासिल की है। उनकी कुल संपत्ति वर्तमान में लगभग 50 करोड़ रुपये आंकी गई है, जो मैदान पर और बाहर दोनों जगह उनकी निरंतर वृद्धि का प्रमाण है।

अपनी शानदार बल्लेबाजी शैली के लिए मशहूर अजिंक्य रहाणे ने 8 करोड़ रुपये टैक्स के रूप में दिए हैं। वह मैच फीस और ड्रीम11 जैसी कंपनियों के साथ विज्ञापन के जरिए आय अर्जित करते हैं। उनकी प्रभावशाली कुल संपत्ति लगभग 60 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। जसप्रीत बुमराह ने चालू वित्त वर्ष में करों में 7 करोड़ रुपये का महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वैश्विक मंच पर प्रमुख गेंदबाजों में से एक के रूप में, उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में आकर्षक अनुबंध और जिलेट जैसे प्रसिद्ध ब्रांडों के साथ विज्ञापन हासिल किए हैं। उनकी अनुमानित कुल संपत्ति 50 करोड़ रुपये है।

मैथिल समाज, उत्तर प्रदेश के दो दिवसीय सांस्कृतिक महाकुम्भ महाकवि विद्यापति महोत्सव में मिथिला रत्न से सम्मानित हुई विभूतियाँ

- शिक्षा, गीत, संगीत, प्रशासन, साहित्य, समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले हुए सम्मानित
- डा दयाशंकर मिश्रा 'दयालु' आयुष, खाद सुरक्षा और औषधि प्रसाधन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उप्र के हाथों मिला सम्मान

डा आलोक चौधरी।

शिव कुमार प्रसाद।

अजीत झा।

मनीष कुमार खंडेलवाल।

मिथिला भूषण विनय कुमार चौधरी।

प्रो आरआर झा।

डा पीके झा।

डा शिप्रा कुमारी।

डा सुष्मिता झा।

डा दयाशंकर मिश्रा 'दयालु गुरु'।

एसबी संवाददाता

वाराणसी। मैथिल समाज, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित 14वां दो दिवसीय सांस्कृतिक महाकुम्भ महाकवि विद्यापति महोत्सव में शिक्षा, साहित्य, समाज सेवा, गीत, संगीत और प्रशासनिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को मिथिला का सर्वोच्च सम्मान मिथिला रत्न से सम्मानित किया गया।

समारोह में आयुष, खाद सुरक्षा एवं औषधि प्रसाधन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार उत्तर प्रदेश सरकार डा दया शंकर मिश्रा 'दयालु गुरु' सुप्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका डा सुष्मिता झा, शिक्षाविद प्रो आर आर झा, पीएम प्रभु नारायण इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य डा पीके झा, दरभंगा के लोकप्रिय गायक मनीष कुमार खंडेलवाल, डा शिप्रा कुमारी, रेल भवन नई दिल्ली में कार्यकारी निदेशक के पद पर तैनात अजीत झा, चिकित्सा क्षेत्र में ख्यात हड्डी रोग विशेषज्ञ डा आलोक चौधरी, प्रधान वरिष्ठ वाणिज्य अधिकारी शिव कुमार प्रसाद को मिथिला रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। समारोह का संयोजन/संचालन गौतम कुमार झा (एडवोकेट) द्वारा किया गया तथा स्वागत संस्था अध्यक्ष निरसन कुमार झा (एडवोकेट) द्वारा धन्यवाद संस्था के सचिव दास पुष्कर द्वारा किया गया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध पार्श्वगायक डा विजय कपूर, सुधीर चौधरी आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

डीएम ने टीबी मरीज को गोद लेकर दी प्रोटीन युक्त पोषण पोटली किट

एसबी ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन

बदायूँ। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव द्वारा चार क्षय रोगियों को गोद लेकर पुनः प्रोटीन युक्त पोषण पोटली की किट प्रदान की गयी। जिलाधिकारी द्वारा कहा गया की मरीज को टीबी की दवा समय से उपलब्ध हो व मरीज समय से पूरी दवा 06 माह तक खाये। दवा खाने के दौरान 02 माह एवं 06 माह पर फॉलोअप भी करवाएँ जिससे पता चल सके की मरीज ठीक हो रहा है।

जिलाधिकारी द्वारा कहा गया की मरीज को दवा खाने के दौरान मिलने वाली रुपये 500 प्रतिमाह की धनराशि डीबीटी के माध्यम से उसके खाते समय से पंहुचाई जाये जिससे मरीज पोषण युक्त खाना अपने आहार में शामिल कर सके। भारत सरकार द्वारा टीबी के सभी मरीजों को पोषण हेतु रुपये 500 प्रतिमाह दिए जाते हैं लेकिन अब दिनाँक 1 नवंबर 2024 क्षय रोगियों को निक्षय पोषण के अंतर्गत 1000 रुपये दिए जाते है।

जिलाधिकारी द्वारा स्वमसेवी संस्थायों, व्यापारियों, सभी अधिकारीयों से भी अपील की गयी की सभी लोग क्षय रोगियों को स्वेक्षा से गोद लेकर उनको पोषण पोटली उपलब्ध कराने एवं मरीज के सही होने तक उसके पूर्ण इलाज व फॉलोअप की जिम्मेदारी भी लेने हेतु अपील की गयी। जिलाधिकारी द्वारा टीबी के मरीजों से भी अपील की गयी की आप लोग ठीक होने के बाद टीबी चैंपियन के रूप में और लोगों को समाज में जागरूक करें और उन्हें बतायें की में सरकारी अस्पताल से टीबी की दवाई खाकर पूर्ण रूप से सही हो गया व मुझे खाने पीने हेतु रुपये 500 महीने भी मिले। इस अवसर पर सुदेश सक्सेना एवं सूरजपाल सिंह उपस्थित रहे।

अज्ञात कारणों से घर में लगी आग, लाखों का नुकसान

एसबी संवाददाता

भरगामा। भरगामा प्रखंड क्षेत्र के खुटहा बैजनाथपुर पंचायत के वार्ड संख्या 14 में बुधवार की देर रात को करीब नौ बजे अज्ञात कारण से झोपड़ीनुमा घर में अचानक आग लग गई। जिसने कुछ हीं मिनटों के भीतर विकराल रूप धारण कर चार परिवारों के आवसीय घर को अपनी गिरफ्त में ले लिया। आग की लपेटे और धुएं का गुबार उठता देख गांव में हड़कंप और अफरा-तफरी मच गई। दर्जनों ग्रामीण आनन फानन में मौके पर पहुंच गए, जो बाल्टी समेत घरेलू उपयोग वाले बर्तनों में पानी भरकर आग को बुझाने की कवायद में जुट गए। परंतु जब तक आग पर काबू पाया जाना संभव हो पाता तब तक भीषण आग अपना काम तमाम कर चुकी थी। पीड़ित गृहस्वामी मो अबुल नदाफ, मो जिस्ताक नदाफ, मो इस्तियाक नदाफ, मो मुस्ताक नदाफ ने बताया कि अज्ञात कारण से लगी इस अग्निकांड में उनके झोपड़ीनुमा मकान और उसमें रखा करीब दस से बारह लाख की सम्पत्ति सहित लगभग छः लाख पचास हजार नगद रुपए सहित घरेलू उपयोग का सारा सामान जलकर राख हो गया। हालांकि इस अग्निकांड में किसी के भी जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ है।

घटना की जानकारी मिलते हीं स्थानीय मुखिया उदयशंकर राम, पंचायत समिति राजेश्वर मंडल, समाजसेवी असलम बेग, मिथलेश मेहता, पप्पू पासवान आदि ने पीड़ित परिवार से भेंटकर सांत्वना दिया है और सरकार से जल्द-जल्द उचित मुआवजा देने की मांग की है। वहीं इस संबंध में सीओ निरंजन कुमार मिश्र ने बताया कि आग से चार घर जलने की सूचना प्राप्त हुई है। पीड़ित परिवारों को जल्द हीं मुआवजे की राशि उपलब्ध करा दी जाएगी।

वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में दहा में संभाषण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। भारत विकास परिषद की श्री राधा कृष्ण शाखा के द्वारा युवा संस्कार के अंतर्गत दशम पातशाही श्री गुरु गोबिंद सिंह जी तथा चारों साहिबजादों को समर्पित शहीदी सप्ताह के अंतर्गत राज्य माध्यमिक विद्यालय दाहा में वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में संभाषण कार्यक्रम का आयोजन करवाया गया। यह कार्यक्रम प्रांतीय संयोजक (युवा संस्कार) प्रियंका कठपाल के मार्गदर्शन में एवम शाखा अध्यक्ष उमेश तनेजा की अध्यक्षता में सम्पूर्ण हुआ।

कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन शाखा सचिव देवेंद्र रोहिला ने किया। सचिव देवेन्द्र रोहिल्ला ने श्री गुरु गोबिंद सिंह जी तथा चारों साहिबजादों के जीवन, उनकी यात्रा तथा उनकी शहादत के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इशिता, राजू तथा अन्य बच्चों ने भी चारो साहिबजादों की शहादत के विषय में बताया। युवा संस्कार संयोजिका प्रियंका कठपाल ने छात्र छात्राओं को मातृ-पितृ आज्ञा पालन, गुरु आज्ञा पालन, चरित्र निर्माण, राष्ट्र प्रेम के बारे में बताया। शाखा अध्यक्ष उमेश तनेजा ने कहा की यही सही समय है जब बच्चे अपने जीवन के लिए तैयार होते है।

इस समय किए गए एक कामों की अनुपालन से भविष्य सुखद बनता है। महिला सहभागिता अनीता सिंह में बच्चों को स्वास्थ्य के बारे में सचेत किया और कहा की स्वास्थ तन में स्वास्थ मन का निवास होता है। इसिलिय अच्छे आहार को प्राथमिकता दें। उपाध्यक्ष प्रभा शर्मा ने बच्चों से प्रण लिया की वे बताई गई बातों की अनुपालना करेंगे।

शाखा उपधायक्ष प्रमोद नागपाल व अन्य शाखा सदस्यों ने प्रतिभागी बच्चों के मध्य प्रशस्ति पत्र दिए। वार्ड नं से पार्षद प्रतिनिधि रजिंदर सिरसी भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। उन्होंने शाखा के द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। विद्यालय प्राचार्य यशपाल राणा ने परिषद सदस्यों का इस आयोजन के लिए धन्यवाद किया।

सूचना

जिला कैथल से नव वर्ष 2025 के शुभ अवसर पर अपने निजी, संस्थान, विभाग के शुभकामना संदेश, विज्ञापन सामान्य शुल्क पर लगवाने के लिए सम्पर्क करें।

दैनिक संजना भारती समाचार पत्र

जिला ब्यूरो प्रमुख कैथल: **निर्मल कुमार**

9466309795

शहीद उधम सिंह काम्बोज के बलिदान को युगों-युगों तक किया जाएगा याद: जगमोहन आनंद

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। करनाल के सेक्टर-32 स्थित शिरोमणि शहीद उधम सिंह कम्बोज चौक पर गुरुवार को शहीद उधम सिंह काम्बोज जी की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि करनाल के विधायक जगमोहन आनंद ने शिरकत की। उन्होंने शहीद उधम सिंह के चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित की और हवन यज्ञ में आहुति डाली।

इस मौके पर संबोधित करते हुए विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि भारत माता के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले शहीद उधम सिंह को युगों-युगों तक याद किया जाता रहेगा। उन्होंने कहा कि जब जलियांवाला बाग में अंग्रेजों ने निहत्थे शांति प्रिय नागरिकों पर अंधाधुंध गोलियों की बौछार करके सैंकड़ों लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया था। इस नरसंहार का बदला शहीद उधम सिंह ने लिया। उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के जनरल डायर को गोली मारी और जलियांवाला बाग में सैंकड़ों लोगों की मौत का बदला लिया।

विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि शहीद उधम सिंह एक महान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे, जिनकी वीरता और बलिदान की कहानी हर देशवासी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। ऐसे वीर सपूतों को याद करना हर भारतवासी का ना केवल कर्तव्य बनता है बल्कि उनके साहस की कहानी को अपने बच्चों के सामने भी बखान करना चाहिए ताकि वर्तमान में बच्चों को पता चल सके कि हमारे पुरखों का साहस कैसा था। शहीद उधम सिंह वीरता की सबसे बड़ी मिसाल हैं।

इस मौके पर शहीद उधम सिंह काम्बोज वेलफेयर सोसाइटी (रजि0) करनाल द्वारा विधायक जगमोहन आनंद को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता संजय बठला, मेहर सिंह, रणजीत सिंह आर्य, शिव कुमार कम्बोज, सोसायटी के प्रधान श्री कर्म सिंह काम्बोज, महासचिव शाम लाल कम्बोज, कोषाध्यक्ष विनोद काम्बोज, संयुक्त सचिव नर सिंह कम्बोज, विजय काम्बोज, विनोद कुमार कम्बोज मौजूद रहे।

हरियाणा सरकार ने कर्मचारियों के तबादलों पर जारी किए निर्देश

एच.आर.एम.एस. के माध्यम से किए जाएं सभी तबादले

एसबी विशेष संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सभी विभागाध्यक्षों, बोर्डों और निगमों के प्रबंध निदेशकों और मुख्य प्रशासकों को निर्देश दिए हैं कि किसी कर्मचारी के एक स्थान से दूसरे स्थान पर तबादले के संबंध में स्थापित दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए।

मुख्य सचिव डॉ. विवेक जोशी द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, अस्थायी समेत सभी तबादला आदेश एच.आर.एम.एस. (मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली) मॉड्यूल के माध्यम से जारी किए जाने चाहिए। इस प्रणाली के बिना जारी किए गए किसी भी आदेश को अवैध माना जाएगा। एच.आर.एम.एस. द्वारा जारी आदेशों के बिना स्थानांतरित कर्मचारियों को उनके नए स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने की अनुमति नहीं दी जाएगी और उन्हें अपने वर्तमान पद पर बने रहना होगा। इसके अलावा, ज्वाइनिंग रिपोर्ट भी एच.आर.एम.एस. मॉड्यूल के माध्यम से ऑनलाइन प्रस्तुत करनी होगी।

उल्लेखनीय है कि सरकार के संज्ञान में कुछ ऐसे मामले आए हैं, जहां विभिन्न विभागों, बोर्डों और निगमों द्वारा मुख्यमंत्री कार्यालय से अनिवार्य सलाह लिए बिना या एच.आर.एम.एस. मॉड्यूल का उपयोग किए बिना स्थानांतरण आदेश जारी किए गए थे। इस तरह के उल्लंघन स्थापित नियमों के खिलाफ हैं और पारदर्शी प्रबंधन प्रक्रिया को बाधित करते हैं।

राज्य सरकार ने एक बार फिर दोहराया है कि ग्रुप-ए, बी, सी और डी कर्मचारियों का कोई भी तबादला मुख्यमंत्री की ट्रांसफर एडवाइजरी के बिना न किया जाए। ऐसी सलाह मिलने पर, एच.आर.एम.एस. मॉड्यूल के माध्यम से तुरंत तबादला आदेश जारी किया जाना चाहिए।

इन निर्देशों का पालन न किए जाने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

खानपुर पुलिस ने शराब के नशे में हंगामा कर रहे एक युवक को किया गिरफ्तार

थानाध्यक्ष ने गिरफ्तार युवक को भेजा समस्तीपुर न्यायालय

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। खानपुर पुलिस को बीती रात गस्ती के क्रम में दूरभाष से सूचना मिला कि थाना क्षेत्र के ग्राम हरिपुरघाट वार्ड-11में एक युवक शराब के नशे धुत है जो हंगामा कर रहा है।

सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुये रात्रि गस्ती दल के पुलिस पदाधिकारी पुलिस फोर्स के साथ ग्राम-हरिपुरघाट वार्ड-11 में पहुँचकर हंगामा कर रहे युवक को गिरफ्तार कर थाना लाये। जिसकी पहचान हरिपुरघाट निवासी मुकेश कुमार उम्र करीब 20 वर्ष पिता स्वर्गीय राम गुलाम राय थाना खानपुर के रूप में हुआ। तथा वही थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने शराब के नशे में हंगामा कर रहे युवक के विरूद्ध खानपुर थाना सनहा संख्या-766/2024 दर्ज कर गिरफ्तार अभियुक्त (1) मुकेश कुमार उम्र 20 वर्ष पिता स्वर्गीय राम गुलाम राय ग्राम हरिपुरघाट वार्ड 11 थाना खानपुर जिला समस्तीपुर को शराब सेवन करने के आरोप में थाना के पुलिस पदाधिकारी व चौकीदार के साथ उचित अभिरक्षा में सरकारी वाहन से माननीय न्यायालय समस्तीपुर में उपस्थापन कराने हेतू भेज दिया गया।

5 जनवरी तक पंजीकृत श्रमिकों के बच्चे अटल आवासीय विद्यालय बरेली में दाखिले हेतु करें आवेदन

12 जनवरी को होगी अटल आवासीय विद्यालय हेतु परीक्षा

एसबी ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन

बदायूँ। मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार ने बताया कि जनपद बदायूँ में उ०प्र० भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बालक व बालिकाओं को अटल आवासीय विद्यालय समिति द्वारा संचालित अटल आवासीय विद्यालय, ग्राम अधकटा नजराना, तहसील नवाबगंज जनपद बरेली में सत्र 2025-2026 हेतु कक्षा 06 में 140 सीटों (70 बालक व 70 बालिकाओं) एवं कक्षा 09 में 140 सीटों (70 बालक व 70 बालिकाओं) के प्रवेश हेतु जनपद बदायूँ के पात्र इच्छुक अभ्यार्थियों से ऑफलाइन आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं।

मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि आवेदन पत्र दिनांक 16 दिसंबर 2024 से दिनांक 05 जनवरी 2025 तक किसी भी सामान्य कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक कार्यालय सहायक श्रमायुक्त, जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला प्रोवेशन अधिकारी से निःशुल्क प्राप्त किये जा सकते हैं।

मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार ने बताया कि परीक्षा 12 जनवरी 2025 दिन रविवार को होगी। परीक्षा का समय प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 1:00 बजे तक होगा। दिव्यांग छात्रों के लिए 40 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। उन्होंने अधिक से अधिक बच्चों के दाखिले के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व जिला प्रोबेशन अधिकारी को निर्देशित भी किया है।

60 लोगों को गणपतौल पंचायत के मुखिया हीरा कुमारी ने किया सम्मानित

एसबी ब्यूरो

मंसूरचक(बेगूसराय)। राज्य स्तरीय मल्लयुद्ध खेल मंत्री बिहार सरकार सुरेंद्र मेहता के द्वारा ग्राम पंचायत राज गणपतौल के नर नारायण सिन्हा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 25 दिसंबर एवं 26 दिसंबर को मल्लयुद्ध कुश्ती प्रतियोगिता कराया गया। गणपतौल पंचायत की एतिहासिक धरती पर एक अनोखा खेल का आयोजन होने से दर्शकों को खेल के बारे में विस्तृत जानकारी दिया गया।

इस मलयुद्ध प्रतियोगिता से प्रसन्न होकर गणपतौल पंचायत के मुखिया हीरा कुमारी ने बछवाड़ा के विधायक सह खेल मंत्री बिहार सरकार को आभार प्रकट करते हुए। खेल में आएं हुए सभी जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं खिलाड़ियों को अंगवस्त्र और माला पहनकर कुल 60 लोगों को मुखिया हीरा कुमारी ने सम्मानित किया।

उक्त मौके पर मुखिया हीरा कुमारी ने कहा कि खेल बढ़ते हुए बच्चों के विकास के लिए बहुत ही आवश्यक है। क्योंकि इससे उनमें अच्छी आदतें और अनुशासन विकसित होता है। खेल स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती को सुधारने के अलावा मानसिक कौशल और एकाग्रता को बनाए रखने के साथ ही सामाजिक विकास और संवाद को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आगंतुक अतिथियों एवं खिलाड़ियों को सम्मानित कर काफी गौरवान्वित महसूस कर रही हूं।

जरूरतमंदों के लिए जिला प्रशासन ने उठाए महत्वपूर्ण कदमः डीसी प्रीति

बस स्टैंड पर भी बनाया अस्थाई रैन बसेरा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा जरूरतमंद लोगों के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे है। बढ़ती सर्दी के दृष्टिगत एक ओर जहां नगर परिषद द्वारा जरूरत के समय रात्रि ठहराव के लिए सिरटा रोड पर स्थित महर्षि वाल्मीकि सामुदायिक केंद्र में रैन बसेरे में निःशुल्क सुविधा प्रदान की जा रही है। वहीं दूसरी ओर बस स्टैंड पर एक बस को अस्थाई रैन बसेरा बनाया गया है। जहां जरूरत के समय लोग रात बिता सकते हैं। इसके अलावा शहर में पोस्टरों के माध्यम से रैन बसेरे की जानकारी दी जा रही है। रैन बसेरों में सर्दी से बचने के लिए बिस्तर व कंबलों सहित पानी, बिजली और स्वच्छता की व्यवस्था भी की गई है।

इसके अलावा रैन बसेरों की लोकेशन बताने के लिए भी जगह जगह पर साइन बोर्ड भी लगाए गए हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि कोई भी व्यक्ति खुले में न सोए। जरूरत के समय लोग इस सेवा का लाभ उठाएं और सुरक्षित और सुविधाजनक ठहराव की सुविधा प्राप्त करें। इसके अलावा उन्होंने सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं से भी आह्वान किया है कि वे भी हर वर्ष की भांति असहाय लोगों को कंबल आदि वितरित करके पुण्य के भागीदार बने।

दून इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित किया गया 'जिला स्तरीय वीर बाल दिवस'

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। कैथल रोड, करनाल स्थित दून इंटरनेशनल स्कूल में सरबंस दानी दशमेश पिता के चारों साहिबजादों की महान व लासानी शहादत की पवित्र याद में जिला स्तरीय वीर बाल दिवस का अत्यंत प्रभावशाली आयोजन हुआ, जिसमें मुख्यअतिथि के रूप में करनाल विधायक जगमोहन आनंद, बीजेपी के कार्यकारी जिला अध्यक्ष बृज गुप्ता, करनाल की पूर्व महापौर रेणु गुप्ता, हरियाणा वेलफेयर सोसाइटी फॉर फिजिकल डिसेबल की चेयरपर्सन मेघा भंडारी,पूर्व महिला जिला अध्यक्ष मीनाक्षी भिंडर, पूर्व एमसी रजनी प्रोचा, मनमीत सिंह बावा, मोहन लोधी, रमेश गिल, पूर्व प्रिंसिपल कमलेश अरोड़ा, एडवोकेट स्वर्ण सिंह व ज्ञानी सुखबीर सिंह इत्यादि ने शिरकत की।

अपने संबोधन में करनाल विधायक जगमोहन आनंद ने कहा की प्रत्येक भारतीय महान गुरुओं और चार साहिबजादों के सर्वोच्च बलिदान का ऋणी है और इसी उदेश्य से भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा चार साहिबजादों के उस महान बलिदान की पावन स्मृति हेतु 26 दिसंबर के दिन को वीर बाल दिवस घोषित किया गया है जोकि पूरे देश में एक प्रेरणा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है, यह उनका एक सराहनीय प्रयास है और दून इंटरनैशनल स्कूल और स्कूल प्रबंध निदेशक कुलजिन्दर मोहन सिंह बाठ द्वारा उक्त वीर बाल दिवस का जिला स्तर पर अत्यंत प्रभावी आयोजन करवाना एक सराहना योग्य कदम है। करनाल की पूर्व मेयर रेणु बाला गुप्ता द्वारा भी दून इंटरनेशनल स्कूल के वीर बाल दिवस आयोजन को अदभुद , प्रभावी व उद्देश्यपूर्ण बताया। तत्पश्चात दून इंटरनेशनल स्कूल के सर्वप्रतिभा सम्पन्न विद्यार्थियों ने कार्यक्रम का आरंभ भावमयी शब्द गायन के माध्यम से किया, जिसमें चार साहिबजादों द्वारा देश, संस्कृति और धर्म की रक्षा हेतु दिए गए सर्वोच्च बलिदान को मार्मिक ढंग से पेश कर उपस्थित सभी को भावविह्वल कर दिया। इसके पश्चात दून स्कूल के बच्चों किरनदीप, सिमरजीत, अंशिका, गुंजन, प्रीत, निमरत, अगम, उज्ज्वल, इशदीप, वैष्णवी, जसकीरत, अंशदीप, गर्व, समरथ, अशप्रीत ने एक लघु नाटिका "सफर ए शहादत" के माध्यम से चार साहिबजादों की शहादत को प्रभावी व भावमयी ढंग से प्रस्तुत किया और इसी स्कूल के ही दो बच्चों जशनपाल व तृप्त ने शानदार गतका पेश किया।

दून ग्रुप ऑफ स्कूल्स के मैनेजिंग डायरेक्टर कुलजिन्दर मोहन सिंह बाठ ने अपने संबोधन में महान गुरुओं, विशेष रूप से सरबंस दानी श्री गुरु गोबिंद सिंह द्वारा देश और धर्म की रक्षा के लिए पूरे परिवार की शहादत को अद्वितीय व अतुलनीय बताते हुए कहा की कृतज्ञ राष्ट्र महान गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी और महान चार साहिबजादों के दिए सर्वोच्च बलिदान का ऋणी है। इस सफल आयोजन के लिए दून इंटरनेशनल स्कूल स्टाफ से मैडम स्वर्ण कौर, डिंपल दीनदयाल, वीणा शर्मा, सुभद्रा, रंजीत कौर, मनप्रीत कौर , रूपिंदर कौर, प्रीत कौर, हरप्रीत कौर, मनप्रीत सिंह मोंटी, रोहित, मनु कश्यप, गौरव इत्यादि का योगदान सराहनीय रहा, कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान गायन व दूध के लंगर के वितरण से सम्पन्न हुआ।

कैथल पुलिस ने नशा विरुद्ध चलाया जागरूकता अभियान

डोर टू डोर अभियान चलाकर राजौंद, तितरम, देबन, तारागढ, किठाना, भुल्लाखेड़ी व संतोखमाजरा में आमजन को नशा ना करने बारे किया जागरूक

एसबी संवाददाता

कैथल। नशा मुक्त हरियाणा मुहिम के तहत समाज को नशा मुक्त करने के उद्देश्य से एसपी राजेश कालिया के निर्देशानुसार चलाई जा रही मुहिम तहत पुलिस टीम द्वारा कैथल जिले में आमजन को नशे के दुष्परिणामों बारे लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसी मुहिम तहत जागरूकता टीम में शामिल एसआई कर्मबीर सिंह, एएसआई ओमप्रकाश, एचसी सुनील कुमार, महिला सिपाही रीतु तथा होमगार्ड शमशेर सिंह की टीम द्वारा डोर टू डोर अभियान चलाकर तितरम, देबन, तारागढ, किठाना, भुल्लाखेड़ी, राजौंद व संतोख माजरा में मौजिज व्यक्तियों सहित आमजन को नशे के प्रति जागरूक करने के साथ साथ इस अभियान को सफल बनाने में आमजन से सहयोग की अपील की है।

पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि यह टीम गांव गांव जाकर हर दिन कार्यक्रम कर रही है। आमजन भी इस मुहिम में पुलिस का साथ दे रहे है तथा पुलिस की इस कल्याणकारी मुहिम की प्रशंसा कर रहे है। नशा एक सामाजिक बुराई है, जो नशा किसी के लिए भी हितकारी नहीं हो सकता। नशे की लत में पड़ गया व्यक्ति अपने दृढ संकल्प से इस बुराई को छोड़ सकता है। पुलिस द्वारा जहां पर नशा तस्करों पर शिकंजा कसा जा रहा है, वहीं पर पुलिस द्वारा नशे के आदि व्यक्ति का नशा छुडवाने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। पुलिस द्वारा जिले में नशे से पीड़ित व्यक्तियों की काउंसलिंग करवाई जा रही है। युवावर्ग को भी खेल या अन्य गतिविधि में बेहतरीन कार्य करके अपने माता पिता, गांव समाज का नाम रोशन करना चाहिए। नशा मुक्त व अपराध मुक्त समाज की स्थापना के लिए हम सभी को मिलकर कदम उठाने होंगे।

पुलिस मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई कर रही है। मगर लोगों में नशा के खिलाफ जागरूकता पैदा करने तथा इस अभियान की शत प्रतिशत सफलता के लिए जन सहयोग अति आवश्यक है। आमजन नशे से संबंधित कोई भी सूचना पुलिस को दे। सूचना देने वाले का नाम पता गुप्त रखा जाएगा।

जिले के समाधान शिविरों में आई 19 शिकायतें, 15 का हुआ मौके पर समाधान

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निदेर्शानुसार तथा डीसी प्रीति के मार्गदर्शन लघु सचिवालय के साथ-साथ उपमंडल स्तर पर सुबह 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविरों का आयोजन निरंतर रूप से किया जा रहा है। जिले के सभी समाधान शिविरों में कुल 19 शिकायतें आई, जिनमें से 15 शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। अन्य शिकायतों के त्वरित निपटान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

लघु सचिवालय में आयोजित जिला स्तरीय समाधान शिविर में नौ शिकायतें आई, जिसमें से छह का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। गुहला एसडीएम कार्यालय में नौ शिकायतें आई, सभी का मौके पर ही समाधान किया गया। कलायत एसडीएम कार्यालय में एक शिकायत आई, जिसका जल्द समाधान कर दिया जाएगा।

डीसी प्रीति ने कहा कि समाधान शिविर हरियाणा सरकार की एक अच्छी पहल है। आमजन को एक ही छत के नीचे सभी विभागों से जुड़े अधिकारी मौजूद रहते हैं, जिससे किसी समस्या का जल्द समाधान होना संभव हो जाता है। आमजन को इन शिविरों का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे समाधान शिविर में स्वयं उपस्थित रहें और लोगों की समस्याओं को गंभीरता के साथ सुनें। शिकायतों का प्राथमिकता के साथ समाधान किया जाए। इन समाधान शिविरों में परिवार पहचान पत्र, प्रॉपर्टी आईडी, जमीन की रजिस्ट्री, शहरी निकाय विभाग से एनडीसी लेने, नक्शे की मंजूरी, पेंशन, राशन कार्ड एवं सार्वजनिक वितरण व्यवस्था, अपराध, बिजली-पानी संबंधी आदि शिकायतों आती हैं।

एसडीएम राहुल ने शहर के मुख्य चौकों, सडकों व मेन बाजार से हटवाया अतिक्रमण

संजना भारती संवाददाता

असंध। एसडीएम राहुल ने वीरवार को असंध के नानकपुरा चौंक, सालवन चौंक व जींद चौंक तक की सडक, मेन बाजार, सब्जी मंडी, टैक्टर मार्किट व बस स्टैंड के आस-पास सडक पर हो रहे अत्यधिक अतिक्रमण को नगर पालिका व पुलिस की टीम द्वारा हटवाया गया और मौके पर ही 24 दुकानों के चालान किये गए। इस दौरान एसडीएम ने दुकानदारों व रेहड़ी फड़ी वालों को निर्देश दिए कि यदि भविष्य में सडक पर अतिक्रमण करते पाया गया तो उसके खिलाफ जुमार्नें के साथ-साथ सख्त कार्रवाई भी अमल में लाई जाएगी। इस मौके उनके साथ नगर पालिका सचिव प्रदीप कुमार भी मौजूद रहे।

एसडीएम ने कहा कि शहर को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सडकों से गुजरने वाले वाहन चालकों व बाजार में आने वाले ग्राहकों को अतिक्रमण के कारण असुविधा न हो, इसे लेकर शहर के सभी बाजारों व सडकों से अतिक्रमण हटवाया गया। उन्होंने दुकानदारों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि अगर किसी दुकानदार का सामान बाहर रखा पाया जाता है, तो उसका सारा सामान जब्त करने के साथ-साथ उस पर भारी जुर्माना भी लगाया जाएगा।

रेनबो पब्लिक स्कूल में चार साहिबजादो की याद में सुखमणि साहिब का पाठ करवाया गया

संजना भारती संवाददाता

असंध। चार साहिबजादो की याद में सुखमणि साहिब का पाठ और बच्चों द्वारा कीर्तन किया व कविता सुनाई और गुरु का लंगर वरताया गया। जिसमें सभी अभिभावक स्कूल प्रांगण में सम्मिलित हुए गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादे और उनका पूरा परिवार 22 दिसंबर से 28 दिसंबर में शहीद हो गया था। गुरु ग्रन्थ साहब की हजूरी में स्कूल संचालक ने कहा कि हर साल हम इसी तरह गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादो की याद में मनाते हैं और बच्चे गुरुबाणी का कीर्तन करते हैं स्कूल के सभी अध्यापक व अन्य स्टाफ जिसमें बढ़ चढ़कर भाग लेते है और सेवा करते है। गुरु का लंगर इस मौके पर अटूट बरताया गया हम ऐसी महान शहादत को कोटि-कोटि नमन करते हैं।

श्री खाटू श्याम मंदिर में धूमधाम से मनाई गई सफला एकादशी

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। शहर की पुरानी अनाज मंडी स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में सफला एकादशी बड़े ही धूमधाम के साथ मनाई गई। एकादशी पर मंदिर व बाबा श्याम के स्वरूप को फूलों से सजाया और महकाया गया। सुबह से लेकर शाम तक खाटू श्याम मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने मंदिर में पहुंचकर विधि-विधान से पूजा अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की। एकादशी के उपलक्ष्य में मंदिर में कीर्तन का आयोजन भी किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर में पहुंचकर कीर्तन का आनंद उठाया। कीर्तन के दौरान हुए गुणगान के माध्यम से श्रद्धालुओं को सफला एकादशी महत्व बताया गया। मंदिर कमेटी द्वारा श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर पंडित दीपक पांडे ने बताया कि पौष माह की कृष्ण पक्ष की तिथि को सफला एकादशी मनाई जाती है। सफला एकादशी का व्रत रखने से सभी कार्यो में सफलता हासिल होती है। जीवन में कष्टों का निवारण होता है। इस दिन उपवास रखना शरीर और आत्मा की शुद्धि के लिए बहुत लाभकारी होता है। उपवास करने से मानसिक शांति और संतुलन मिलता है, जिससे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस अवसर पर मंदिर के मुख्य सेवक देसराज गुप्ता, अनिल गर्ग, महिंद्र गुप्ता, रामकरण गोयल, पवन गर्ग, कृष्ण कुमार मित्तल, हरीश गुप्ता व पवन गोयल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय महिला पुरस्कार के लिए आवेदन की अंतिम तिथि आजः उपायुक्त

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। महिला एवं बाल विकास विभाग, हरियाणा द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां प्राप्त करने वाली महिलाओं के लिए राज्य स्तरीय महिला पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इन पुरस्कारों के लिए महिलाएं 27 दिसंबर 2024 तक आवेदन कर सकती हैं।

डीसी उत्तम सिंह ने बताया कि पुरस्कार देने का मुख्य उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को पहचान/मान्यता देना है, ताकि वे भारतीय महिलाओं की भावी पीढ़ी के लिए रोल मॉडल बन सकें। यह भारतीय समाज में और उनके संबंधित क्षेत्रों में महिलाओं की बहुमुखी भूमिका को स्वीकार करने और प्रोत्साहित करने के लिए समाज की मानसिकता को बदलने में भी एक लंबा सफर तय करेगा।

उन्होंने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा हरियाणा राज्य स्तरीय महिला पुरस्कार में इन्दिरा गांधी महिला शक्ति पुरस्कार, कल्पना चावला शौर्य, श्रीमती सुषमा स्वराज पुरस्कार व बहन शन्नो देवी पंचायती राज पुरस्कार, लाइफ-टाइम अचीवर्स अवार्ड के लिए निर्धारित राशि व प्रशस्ति पत्र दिए जाएंगे। इसी प्रकार से एएनएम/नर्स/महिला एमपीडब्ल्यू, महिला खिलाड़ी, सरकारी कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ता, महिला उद्यमी तथा साक्षर महिला समूह को निर्धारित राशि के साथ-साथ प्रशस्ति पत्र दिए जाएंगे।

पुरस्कार प्राप्त करने हेतु आवेदन करने के लिये योग्यताएं व शर्ते महिला एवं बाल विकास विभाग की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट डब्ल्यूसीडीएचआरवाई डॉट जीओवी डॉट आईएन से डाउनलोड की जा सकती है। वहीं अधिक जानकारी के लिए स्थानीय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में संपर्क किया जा सकता है।

भारत विकास परिषद शाखा द्वारा बच्चों को जर्सियां की वितरित

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। भारत विकास परिषद शाखा द्वारा वार्ड-1 में स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाला में वीर बाल दिवस मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता वीरेन्द्र सिंह चौहान ने शिरकत की। कार्यक्रम में विशेष रूप से भाजपा जिला मीडिया कोऑर्डिनेटर डॉ मीनाक्षी शर्मा ने शिरकत की। इस दौरान भारत विकास परिषद की ओर से बच्चों को जर्सियां वितरित की गई।

वीरेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि यह दिन गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे साहिबजादों के बलिदान की अमर गाथा को स्मरण करने और नई पीढ़ी को उनके साहस और धर्मनिष्ठा से प्रेरित करने का अवसर है। युवाओं को साहिबजादों के जीवन से प्रेरणा लेने की जरूरत है। चौहान ने कहा कि युवा पीढ़ी को साहिबजादों के जीवन से सीख लेते हुए अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आगे बढ़ना चाहिए।

भाजपा जिला मीडिया कोऑर्डिनेटर मीनाक्षी शर्मा ने कहा कि साहिबजादों के बलिदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेकर युवा पीढ़ी को समाज और देश की निस्वार्थ सेवा के लिए आगे आना चाहिए। भारत विकास परिषद शाखा अध्यक्ष एडवोकेट नरेन्द्र शर्मा ने बच्चों को साहिबजादों के बलिदान के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भारत परिषद समाज सेवा के कार्यों में हमेशा अग्रणी रहती है और जब भी परिषद के सदस्यों को मौका मिलता है तो वे अपना दायित्व जरुर पूरा करते है। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष राम अवतार जिंदल, शाखा के मार्गदर्शक डॉ बूटी राम व स्कूल मुखिया प्रोमिला दास ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष एडवोकेट नरेन्द्र शर्मा, सचिव डॉ प्रवीन, महिला प्रमुख कमलेश जिंदल, डॉ भजनलाल आर्य, लाभ सिंह राणा, रामकुमार गुप्ता, सीमा अरडाना, राजेश कुमार, सुमन बाला, मीनू, गुरजीत कौर सहित अन्य स्कूल स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मनाया वीर बाल दिवस

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रार्थना सभा में वीर बाल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अजमेर सिंह सिंधु ने छात्राओं को श्री गुरु गोविंद सिंह जी के चारों साहिबजादों अजीत सिंह, जुझार सिंह, जोरावर सिंह व फतेह सिंह के बलिदान के बारे में बताया कि किस प्रकार उन्होंने अपने प्राणों की परवाह किए बिना अपने आप को अपने देश और धर्म के नाम कुर्बान कर दिया। हर साल 21 दिसंबर से 27 दिसंबर तक शहीदी सप्ताह मनाया जाता है। इसलिए हरियाणा सरकार ने साहिबजादों की शहादत को नमन करने के लिए 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में बनाने का निर्णय लिया है। चारों साहिबजादों की शहादत आप बच्चों और युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है इस गौरवमयी इतिहास के बारे में पूरे देश के बच्चों और युवाओं को जानना चाहिए। डॉक्टर भूपेंद्र सिंह ने बताया कि मातृभूमि व धर्म की रक्षा हेतु गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह जी व बाबा फतेह सिंह जी ने छोटी उम्र में दुश्मनों का सामना किया। उनकी वीरता और बलिदान को नमन किया। उन्होंने बताया कि उनका त्याग,बलिदान और समर्पण योगदान तक प्रेरणादायी रहेगा। आज फिर जरूरत है कि उनके बताएं मार्ग पर चल हम सभी धर्म समाज व भाईचारे को मजबूत कर एक श्रेष्ठ भारत के लिए कार्य करें। इसके अलावा उन्होंने शहीद उधम सिंह के बारे में बच्चों को विस्तार पूर्वक बताया वीर बाल दिवस के उपलक्ष में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। जिसमें कक्षा 9 से 12 में रीना प्रथम, संजना द्वितीय व मनीषा तृतीय स्थान पर तथा कक्षा 6 से 8 में तनु प्रथम, नेहा द्वितीय व कनिका तृतीय स्थान पर रही।

इस अवसर पर डाक्टर शीशनपाल, तिलकराज, राजेंद्र, गौतम नायक, राजेश, प्रकाश, नरेश, मीना, रितु, प्रवीण, सीमा व कविता उपस्थित रहे।

'राजयोग द्वारा खेलों में सफलता' विषय पर ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र राजौंद द्वारा निजी स्कूल में कार्यक्रम आयोजित

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजयोग एजुकेशन एवं रिसर्च फाउंडेशन माउंट आबू स्पोर्ट्स विंग द्वारा चल रहे अभियान 'राजयोग द्वारा खेलों में सफलता' के चलते ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र राजौंद द्वारा गोल्ड लाइफ स्कूल राजौंद में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ब्रह्माकुमारी आशा बहन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा की खेलों को बहुत आगे ले जाने के लिए मानसिकता एवं सोच को सकारात्मक बनाना जरूरी है। हमें हर हाल में अपने लक्ष्य पर ध्यान केन्द्रित करना होता है। हमें दूसरे खिलाड़ियों के प्रभाव में आने की जरूरत नहीं है बल्कि सकारात्मक मानसिकता का पूरा विकास करके विजय प्राप्त करनी है।

राज योग मेडिटेशन आपके मन की शक्ति को कई गुना बढ़ा देता है। जब हम परमपिता परमात्मा एवं सर्वशक्तिवान से अपना ध्यान केंद्रित करते हैं तो परमात्मा की असीम शक्तियां हमें प्राप्त होती रहती हैं और हमारा मन शांत तथा शक्तिशाली और ध्यान केंद्रित बना रहता है। फिर हम बड़ी-बड़ी सफलताएं प्राप्त करते रहते हैं। मन को शांत रखने के लिए मेडिटेशन बहुत आवश्यक है। राजयोग मेडिटेशन से ना सिर्फ मन की ताकत बढ़ती है बल्कि शरीर भी स्वस्थ होता है। सही और शुद्ध खान-पान हमें बहुत अधिक सफलता दिलाएगा।

इस अवसर पर स्कूल के फाउंडर मितलेश राणा और स्कूल प्रिंसिपल शिव कुमार राणा भी मौजूद रहे। सभी विद्यार्थियों के साथ साथ सभी शिक्षकों ने भी राजयोग का अभ्यास किया। कार्यक्रम में स्कूल फाउंडर मितलेश राणा ने अपनी शुभकामनाएं दी।

बहन आशा ने कहा की 10 मिनट का मेडिटेशन हर गेम के लिए अनिवार्य किया जाना चाहिए। राजयोग को अगर खिलाड़ी अपने जीवन में अपनाता है तो वह न केवल खेल में बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर सकते है।

एडवोकेट जनरल परविंदर सिंह चौहान और जनरल वीके सिंह की नियुक्ति से राजपूत समाज में खुशी का माहौलः डॉ. नरेंद्र प्रताप सिंह

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। परविंदर सिंह चौहान को हरियाणा का महाधिवक्ता (एडवोकेट जनरल) नियुक्त करने पर राजपूत सभा करनाल की ओर से हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया गया। इसके साथ ही पूर्व केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह को मिजोरम का राज्यपाल नियुक्त करने पर देश की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और केंद्र सरकार का भी आभार जताया गया। करनाल के सेक्टर 8 स्थित महाराणा प्रताप स्मृति भवन में राजपूत सभा की एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य तौर पर सभा के प्रधान डॉक्टर नरेंद्र प्रताप सिंह, वरिष्ठ उप प्रधान कुलदीप नंबरदार उचाना, महासचिव एडवोकेट बृजपाल राणा शामिल हुए। इस बैठक में मध्य प्रदेश से आए विद्वान, लेखक और संपादक अरुण सिंह बघेल और दिल्ली से केपी सिंह कुशवाह भी उपस्थित हुए। उन्होंने 29 दिसंबर को त्रिनेत्र बिंदु क्षत्रिय पत्रिका के 25 वर्ष पूर्ण होने पर फरीदाबाद में आयोजित होने वाले रजत जयंती समारोह में पहुंचने का न्योता भी दिया। इस बैठक में उन्होंने राजपूत समाज के लोगों के साथ सामाजिक मुद्दों पर लंबी चर्चा भी की।

राजपूत सभा के प्रधान डॉ नरेंद्र प्रताप सिंह तथा सभी पदाधिकारियों ने कहा की परविंदर सिंह चौहान की एडवोकेट जनरल के रूप में नियुक्ति से राजपूत समाज में खुशी की लहर है, परविंदर सिंह चौहान और उनके पिता एडवोकेट जंग बहादुर सिंह चौहान की मेहनत के कारण ही में इस पद तक पहुंचे हैं। उनकी नियुक्ति के लिए उन्होंने सरकार का भी धन्यवाद किया। इसी के साथ पूर्व केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह की नियुक्ति से भी समाज में खुशी का माहौल है इसके लिए उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति और केंद्र सरकार का आभार जताया। प्रधान डॉक्टर नरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा करनाल राजपूत सभा स्वतंत्र संस्था है। किसी भी संगठन से नहीं जुड़ा हुआ है,समाज हित में सभी संगठनों की मदद जरूर करते हैं। समाज के उत्थान और समाज के युवाओं को आगे बढ़ाने तथा समाज के एकीकरण को लेकर ही सभा का प्रयास रहता है। राजपूत समाज के युवक युवती वैवाहिक सम्मेलन करवाने के लिए भी सभा द्वारा प्रयास किया जा रहे हैं।

इस अवसर पर इतिहासकार बलबीर सिंह चौहान अजमेर सिंह पंवार, राजेंद्र सिंह ऊंचा समाना, रामपाल सिंह, ओमवीर सिंह, एडवोकेट सुनील राणा, दीपक राणा, कुंवर अमित सिंह, नरेंद्र सिंह, विक्रम सिंह, बिशपाल राणा, भूप सिंह, भूपेंद्र सिंह, प्रदीप राणा, मुकेश कुमार तोमर, अजय सिंह चौहान, सुशील राणा, सुरेंद्र तंवर, गौरव राणा अरड़ाना मैनेजर, दीपक राणा मैनेजर सहित काफी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।